Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 19 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 18 नवंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

5 करोड़ रुपए मूल्य के 30,000 चीनी पटाखे जब्त, एक गिरफ्तार : डीआरआई

मुंबई। राजस्व खुफिया विभाग (डीआरआई) ने चीन से आने वाले पटाखों और आतिशबाजी की अवैध तस्करी का एक और बड़ा मामला पकड़ा है। सोमवार को इसकी जानकारी दी गई। टीम ने इस तस्करी को रोक दिया। अब तक का यह एक और सफल अभियान है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि पटाखों की तस्करी रोकने के लिए चल रहे फायर ट्रेल अभियान चलाया गया, जिसमें डीआरआई ने मुंद्रा बंदरगाह पर बड़ा काम किया। टीम ने 5 करोड़ रुपए की कीमत के 30,000 अवैध पटाखे पकड़े और एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। इस अभियान के दौरान, डीआरआई अधिकारियों ने मुंद्रा बंदरगाह पर चीन से आए एक 40 फुट लंबे कंटेनर को पकड़ा, जिस पर पानी का गिलास और फूलदान होने का दावा किया गया था। लेकिन जांच में पानी के गिलास के एक सेट के पीछे 30,000 छिपे हुए पटाखे/आतिशबाजी के टुकड़े मिले।

डीआरआई ने कहा कि आयातक के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं थे और उसने स्वीकार किया कि माल की तस्करी आर्थिक लाभ के लिए की गई थी।

इससे पहले, अक्टूबर महीने में, डीआरआई ने मुंबई और तूतीकोरिन में चीनी पटाखों के अवैध आयात के प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया था। इसमें अकेले अक्टूबर महीने में, डीआरआई मुंबई क्षेत्रीय इकाई (एमजेडयू) ने लगभग 16 करोड़ रुपये मूल्य के अवैध रूप से आयातित पटाखे जब्त किए।

मंत्रालय के अनुसार, विदेश व्यापार नीति के आईटीसी (एचएस) वर्गीकरण के तहत पटाखों का आयात प्रतिबंधित है और इसके लिए विस्फोटक नियम, 2008 के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) दोनों से वैध लाइसेंस की आवश्यकता होती है।

डीआरआई ने कहा, ऐसे खतरनाक सामान की गैरकानूनी तस्करी से लोगों की जान को खतरा है। देश की सुरक्षा, बंदरगाह, जहाज और पूरे व्यापार को बड़ा नुकसान हो सकता है। हम तस्करों के बड़े-बड़े नेटवर्क को ढूंढेंगे और खत्म करेंगे। खतरनाक तस्करी से लोगों को बचाएंगे। देश के व्यापार और सुरक्षा को मजबूत रखने के अपने काम पर डटे रहेंगे।

दिल्ली-एनसीआर में घुट रहा है दम, नहीं सुधर रहे प्रदूषण के हालात; कई इलाकों में एक्यूआई 400 पार पहुंचा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार को हवा की गुणवत्ता बहुत खराब से गंभीर स्तर तक बनी रही। राजधानी के ऊपर धुंध की मोटी चादर छाई रही। सुबह 6 बजे दिल्ली का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स 360 रहा। छह जगहों पर यह 400 से ऊपर दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है।

अलीपुर में सूचकांक 386, आनंद विहार 384, अशोक विहार 392, चांदनी चौक 383, आईटीओ 394, लोधी रोड 337, मुंडका 396, नेहरू नगर 389 और सिरीफोर्ट में 368 दर्ज हुआ। वहीं बवाना 427, डीटीयू 403, जहांगीरपुरी 407, नरेला 406, रोहिणी 404 और वज़ीरपुर में एक्यूआई 401 तक पहुंच गया, जो सभी गंभीर श्रेणी में आते हैं।

वहीं, नोएडा और ग्रेटर नोएडा के प्रदूषण में भी सुधार नहीं हो रहा है। यहां सोमवार को प्रदूषण बेहद खराब श्रेणी में है। नोएडा के सेक्टर 62 का एक्यूआई 319, सेक्टर 116 का 361, सेक्टर 1 का 361, सेक्टर 125 का 383 दर्ज किया गया।

शासकीय जगतु माहरा बस्तर हाईस्कूल के शताब्दी वर्ष समारोह कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हुए शामिल

शिक्षा ही विकास का मूलमंत्र है, शिक्षा के बिना जीवन अधूरा - मुख्यमंत्री साय

शिक्षा ही विकास का मूलमंत्र है, शिक्षा के बिना जीवन अधूरा

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जगदलपुर में शासकीय जगतु माहरा बस्तर हाईस्कूल के शताब्दी वर्ष समारोह कार्यक्रम में आज शामिल हुए। बस्तर हाईस्कूल के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यालय परिवार को शताब्दी वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही विकास का मूलमंत्र है, शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। भारत में प्राचीन काल से ही शिक्षा का अत्यधिक महत्व रहा है। नालंदा और तक्षशिला जैसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में विदेशों से विद्वान ज्ञानार्जन के लिए आते थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में बस्तर हाईस्कूल तथा कांकेर के नरहरदेव विद्यालय जैसे संस्थान शिक्षा के महत्वपूर्ण केंद्र रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 1926 में जब इस विद्यालय का निर्माण हुआ होगा, तब संसाधनों का अत्यधिक अभाव रहा होगा, लेकिन पिछले सौ वर्षों की विकास यात्रा में इस विद्यालय ने अनगिनत होनहार छात्र-छात्राओं को तैयार किया है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर विद्यालय

का नाम रोशन किया है। आज उनमें से अनेक पूर्व छात्र इस समारोह में सम्मिलित हुए हैं। उन्होंने संस्था के निरंतर प्रगति के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य गठन के पच्चीस वर्ष पूर्ण होने पर सभी को बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने जगतु माहरा बस्तर हाईस्कूल के जीर्णोद्धार हेतु डेढ़ करोड़ रुपए तथा पोस्ट-मैट्रिक छात्रावास भवन निर्माण की घोषणा की। साथ ही विद्यालय की अन्य सभी आवश्यकताओं को प्राथमिकता से पूरा करने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस कार्यक्रम में शैलेंद्र सिंह ठाकुर द्वारा विद्यालय को प्रदान किए गए दो ड्रोन टोकन स्वरूप प्रदान किए, साथ ही शैलेंद्र सिंह ठाकुर द्वारा विद्यालय को 50 ड्रोन उपलब्ध कराने की सहमति भी दी गई, जिससे तकनीकी शिक्षा को और प्रोत्साहन मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने जगतु माहरा शासकीय बहुउद्देश्यीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जगदलपुर में शताब्दी समारोह पट्टिका का अनावरण किया। उन्होंने स्वर्गीय ठाकुर देवेन्द्र सिंह और स्वर्गीय श्रीमती शारदा ठाकुर की स्मृति में निर्मित दो स्मार्ट क्लासों का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने विद्यालय परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अंतर्गत परिजात प्रजाति के पौधे का रोपण किया।

शताब्दी समारोह के ध्वजारोहण के साथ विद्या-दायिनी मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की स्मारिका का भी विमोचन किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ बेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्री श्रीनिवास राव मद्दी के पिता की स्मृति में आयोजित न्योता भोज कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों को भोजन परोसा। इसके अलावा जगतु माहरा बस्तर हाईस्कूल के वे सात पूर्व छात्र, जो पुलिस और सुरक्षा बल में सेवा के दौरान शहीद हुए, उनके छायाचित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने विद्यालय के शताब्दी समारोह के लिए बधाई देते हुए कहा कि आजादी से पहले 1926 में आरंभ हुए इस ऐतिहासिक विद्यालय के लिए यह दिन अत्यंत गौरवशाली है।

बीते 11 साल और सीजन की सबसे ठंडी रही सोमवार की सुबह, दिल्ली में शीतलहर जैसी स्थिति; कल छाएगा कोहरा

नई दिल्ली (समय दर्शन)। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने राजधानी में ठंडक बढ़ा दी है। ऐसे में सोमवार का दिन बीते 11 साल से और इस मौजूदा सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। मौसम विभाग के अनुसार, साल 2011 में 15.4 न्यूनतम पारा दर्ज किया गया था। ऐसे में सुबह से ही मौसम में ठंडक बनी हुई थी। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, वैसे-वैसे दिन में सूरज की गर्मी का हल्का अहसास हुआ, लेकिन लोगों को दिन में भी ठंड महसूस हो रही थी।

यह पहली बार है कि दिन के समय भी दिल्लीवासियों को सिहरन महसूस हुई। इसी बीच अधिकतम तापमान 27.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.7 डिग्री कम रहा। भारत मौसम विज्ञान

विभाग (आईएमडी) के अनुसार, न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो मौसम के औसत से 3.6 डिग्री अधिक है। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 95 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 36 प्रतिशत रही। सोमवार को लोधी रोड सबसे ठंडा इलाका रहा। यहां न्यूनतम पारा 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा, आया नगर में 9.4, पालम में 10.9 और रिज में न्यूनतम पारा 9.5 दर्ज किया गया। आईएमडी का अनुमान है कि मंगलवार को सुबह धुंध व कोहरा के साथ आसमान साफ रहेगा। ऐसे में सुबह के समय अधिकांश स्थानों पर हल्का कोहरा और कुछ स्थानों पर मध्यम कोहरा रहेगा। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 26 और 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। दिल्ली में इस समय शीतलहर जैसी स्थिति है। हालांकि, तकनीकी परिभाषा के अनुसार अभी इसकी घोषणा नहीं की गई है। दरअसल, न्यूनतम तापमान दस डिग्री सेल्सियस से नीचे और सामान्य से 4.5 डिग्री नीचे होने पर उसे शीतलहर की स्थिति माना जाता है। लेकिन, लगातार दो दिन और कम से कम दो मौसम केंद्रों पर ऐसी स्थिति रहने पर उसे शीतलहर घोषित किया जाता है। इसलिए अगर मंगलवार को भी ऐसी स्थिति रहती है, तो उसे शीतलहर की स्थिति माना जाएगा।

चुनाव आयोग असम की मतदाता सूची में विशेष संशोधन करेगा, एक जनवरी तक जुड़ेंगे नाम

एसआईआर से अलग है प्रक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने सोमवार को असम में मतदाता सूची का 'विशेष पुनरीक्षण' कराने का आदेश दिया। आयोग ने कहा कि अंतिम मतदाता सूची 10 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। चुनाव आयोग की ओर से असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को निर्देश जारी किए गए हैं, जिनके मुताबिक एक एक जनवरी 2026 वह तारीख होगी जिसके आधार पर यह विशेष पुनरीक्षण किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, यह वार्षिक विशेष सारांश पुनरीक्षण और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) दोनों के बीच की प्रक्रिया जैसा है।

कार्यक्रम के अनुसार, 22 नवंबर

से 20 दिसंबर तक घर-घर जाकर सत्यापन होगा। मतदाता सूची का संयुक्त मसौदा 27 दिसंबर को प्रकाशित होगा और अंतिम सूची अगले साल 10 फरवरी को जारी होगी। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने राज्य में मतदाता सूची के 'विशेष पुनरीक्षण' कराने के चुनाव आयोग के फैसले का स्वागत किया और कहा कि राज्य सरकार पूरी तरह सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, असम सरकार चुनाव आयोग के उस फैसले का स्वागत करती है, जिसमें एक जनवरी 2026 को आधार तिथि मानकर मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण करने की बात कही गई है। उन्होंने कहा, 'इससे सभी योग्य नागरिकों के लिए स्पष्ट, अपडेटेड और सही मतदाता सूची तैयार करने में मदद मिलेगी। असम सरकार चुनाव आयोग को पूरा सहयोग देगी, ताकि यह पुनरीक्षण पारदर्शी और समय पर पूरा हो सके।' असम में विधानसभा चुनाव अगले साल होने हैं। गौरतलब है कि गत अक्तूबर में जारी अधिसूचना के माध्यम से केंद्रीय चुनाव आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के एसआईआर का दूसरा चरण आयोजित करने की घोषणा की थी। प्रक्रिया पूरी होने के बाद अंतिम मतदाता सूची सात फरवरी, 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

एसआईआर कराकर महागठबंधन के वोट काटे गए, हमें हराया गया : पप्पू यादव

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव के नतीजों में महागठबंधन को बहुत कम सीट मिली। गठबंधन में शामिल दलों के बीच हार की समीक्षा की जा रही है। इस बीच कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने महागठबंधन की हार का जिम्मेदार एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को बताया। कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने कहा, बिहार चुनाव में हम हारे नहीं, बल्कि हराए गए। 128 सीटों पर एनडीए गठबंधन उतनी मार्जिन से जीता, जितना एसआईआर करके महागठबंधन के वोट को काटा गया और बाद में करीब 21 लाख के करीब भाजपा के वोट को जोड़ा गया। 27 वोट से 11,000 तक के मार्जिन में 128 सीट एनडीए ने जीती है। जो वोट काटे गए, वे अल्पसंख्यक, यादव और एससी-एसटी के हैं। 6 तारीख को सभी के अकाउंट में पैसा गया। इसलिए मेरा कहना है कि हम हारे नहीं, बल्कि हराए गए हैं। रोहिणी आचार्य वाले प्रकरण पर पप्पू यादव ने दुख जताया। उन्होंने कहा, इस घटना से सभी का सेंटिमेंट जुड़ा हुआ है। एक बिहार में महिलाओं के नाम पर

वोट चोरी की गई। दूसरी तरफ हमारी जो कमियां रहीं, उनके पीछे कौन है? यह समझने की जरूरत है। रोहिणी आचार्य ने जिन दो-तीन लोगों का नाम लिया, वही बात तेज प्रताप भी कह रहे हैं। बिहार में राजद के कार्यकर्ता हों या इंडिया ब्लॉक के अन्य पार्टियों के कार्यकर्ता, सभी ने बताया कि पार्टी में ऐसे कौन से लोग हैं, जो विभीषण और जयचंद का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, बहनों और बेटियों को लेकर ऐसे आरोप बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

बिहार में नई सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू, नीतीश ने राजभवन पहुंचकर विधानसभा विघटित करने का अनुशंसा पत्र सौंपा

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव की समाप्ति के बाद अब प्रदेश में नई सरकार गठन की कवायद शुरू हो गई है। इसके तहत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को राजभवन पहुंचे और 19 नवंबर को विधानसभा विघटित करने के लिए मंत्रिमंडल की अनुशंसा वाला पत्र सौंपा। राजभवन से बाहर निकलने के बाद बिहार के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने बताया कि हम लोग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ राज्यपाल से मिले और उन्हें 19 नवंबर को वर्तमान विधानसभा को विघटित करने वाली अनुशंसा का पत्र सौंपा गया। मंत्री चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इससे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई, जिसमें वर्तमान विधानसभा को 19 नवंबर के प्रभाव से विघटित करने की अनुशंसा की गई। इस बैठक में पूरे कार्यकाल के दौरान वर्तमान सरकार में सभी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों का सहयोग मिला और सरकार के सभी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू किया गया। इसके लिए मुख्य

सचिव सहित सभी कर्मियों की सराहना की गई। बैठक में विधानसभा चुनाव में एनडीए के प्रचंड बहुमत के लिए नीतीश कुमार को बधाई दी गई। कैबिनेट की बैठक समाप्त होने के तुरंत बाद उन्होंने कैबिनेट को औपचारिक रूप से भंग कर दिया। इसके बाद वह सीधे अपने मंत्रियों के साथ राजभवन पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक, नीतीश कुमार 20 नवंबर को एक बार फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह गांधी मैदान में आयोजित किया जाएगा।

हरियाणा पुलिस का बड़ा एक्शन : 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' में 11 दिन में 3000 से अधिक अपराधी गिरफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा को सुरक्षित बनाने और संगठित अपराधों के सिंडिकेट को ध्वस्त करने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए चलाए जा रहे विशेष राज्यव्यापी अभियान 'ऑपरेशन ट्रैकडाउन' ने एक अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। 5 नवंबर से शुरू हुआ यह सघन अभियान अपने 11वें दिन में पहुंच चुका है और प्रदेश में कानून का शिकंजा कसते हुए अपराधियों के मन में खौफ पैदा कर रहा है। इस ऑपरेशन के 11वें दिन विभिन्न अपराधों में शामिल 96 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

सजा-ए-मौत के एलान पर उपजे तनाव के बीच बोला पड़ोसी देश

'भारत शेख हसीना को तुरंत वापस भेजे'- बांग्लादेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को सुनाई गई मौत की सजा पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा, 'हम बांग्लादेश के लोगों के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ रचनात्मक रूप से संपर्क बनाए रखेंगे।' विदेश मंत्रालय ने ये प्रतिक्रिया बांग्लादेश की तरफसे आए उस बयान के बाद दी जिसमें पड़ोसी देश ने कहा है कि शेख हसीना को सुनाई गई सजा के बाद उन्हें तत्काल प्रत्यर्पित करना 'भारत का अनिवार्य कर्तव्य' है। बांग्लादेश ने मौत की सजा का फैसला पारित होने के बाद शेख हसीना और उनके सहयोगी देश के पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को तत्काल प्रत्यर्पित करने

की मांग की। इससे पहले बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और देश के पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को तुरंत प्रत्यर्पित करने का आग्रह किया। पड़ोसी देश की सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने कहा, 'हम भारत सरकार से इन दोनों दोषियों को तुरंत बांग्लादेशी अधिकारियों को सौंपने की अपील करते हैं। बांग्लादेश और भारत के बीच मौजूदा द्विपक्षीय प्रत्यर्पण समझौता दोनों दोषियों के प्रत्यर्पण को नई दिल्ली की अनिवार्य जिम्मेदारी बनाता है। पड़ोसी देश के विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि मानवता के विरुद्ध अपराध के दोषियों को शरण देना न्याय की अवहेलना के अलावा दोस्ताना रिश्ते के खिलाफ किया गया कृत्य माना जाएगा।

दिसंबर में भी प्रत्यर्पण की अपील कर चुका है बांग्लादेश

बता दें कि शेख हसीना पिछले साल 5 अगस्त को बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर भड़के विरोध प्रदर्शनों के बाद से भारत में ही रह रही हैं। अदालत उन्हें भगोड़ा घोषित कर चुकी है। माना जाता है कि उनके सहयोगी असदुज्जमां खान भी भारत में ही हैं। पिछले साल दिसंबर में भी बांग्लादेश ने भारत को एक पत्र भेजकर हसीना के प्रत्यर्पण का अनुरोध किया था। भारत ने औपचारिक राजनयिक पत्र मिलने की पुष्टि तो की, लेकिन इस पर कार्रवाई को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की। प्रत्यर्पण संधि के अनुसार, शेख हसीना को भारत से वापस भेजे जाने की अपील को लेकर अंतरिम सरकार के कानूनी सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा, अंतरिम सरकार हसीना के प्रत्यर्पण के लिए भारत को फिर से पत्र लिखेगी। बांग्ला भाषा के अखबार प्रथम अलो ने नजरुल के हवाले से कहा, 'अगर भारत इस हत्यारे को पनाह देना जारी रखता है, तो उसे यह समझना चाहिए कि यह शत्रुतापूर्ण कार्रवाई है...।'

बांग्लादेश की परिस्थितियों पर भारत की पैनी नजर

गौरतलब है कि सोमवार को जब न्यायाधिकरण में तीन जजों की पीठ ने जब सजा-ए-मौत का एलान किया तो उसके बाद पड़ोसी देश में हसीना के समर्थकों का गुस्सा फूट पड़ा। बांग्लादेश में उपजे तनाव के बीच विदेश मंत्रालय ने कहा, 'पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के संबंध में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (ढ्ढष्टञ्ज-ढ्ढ) से पारित फैसले का भारत ने संज्ञान लिया है। हम शांति, लोकतंत्र और स्थिरता के पक्षधर हैं।' विदेश मंत्रालय की तरफसे जारी बयान में कहा गया, 'भारत बांग्लादेश के नागरिकों के सर्वोत्तम हितों के लिए भी प्रतिबद्ध है।

लाल किला आतंकी हमले में एनआईए को बड़ी कामयाबी, फिदायीन हमलावर उमर का सहयोगी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किला बम धमाके की जांच कर रही एनआईए को बड़ी कामयाबी मिली है। एनआईए ने इस मामले में पहली गिरफ्तारी की है। एनआईए ने राष्ट्रीय राजधानी से आमिर राशिद अली नाम के शख्स को दबोचा है। बताया जाता है कि धमाके को अंजाम देने वाली द्ब20 कार इसी आमिर के नाम पर रजिस्टर्ड थी। आमीर मूल रूप से कश्मीर का रहने वाला है। आमिर पर आरोप है कि उसने उमर के साथ मिलकर इस धमाके की साजिश रची थी। दिल्ली में धमाके में जिस कार का इस्तेमाल किया गया था वो भी आमिर राशिद अली के नाम पर ही रजिस्टर्ड है। द्बद्ब की जांच में पता चला है कि जम्मू-कश्मीर के पंपोर के संबूरा का रहने वाले आमीर राशिद अली धमाके में इस्तेमाल की गई कार को खरीदने के लिए कुछ महीने पहले ही दिल्ली आए थे।

बिहार चुनाव परिणाम के खिलाफकोर्ट जाएगा राजद! तेजस्वी यादव विधायक दल के नेता चुने गए

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त मिलने के बाद आज पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेताओं के साथ समीक्षा बैठक की। पटना के एक पोलो रोड स्थित तेजस्वी आवास पर या बैठक हुई है। करीब चार घंटे तक बैठक चली। राजद नेताओं के साथ तेजस्वी ने बिहार विधानसभा चुनाव में हार की समीक्षा की। इसके बाद तेजस्वी को विधायक दल का नेता चुन गया।

राजद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने कहा कि तेजस्वी को विधानमंडल दल का नेता चुना गया है। वह विधानसभा में पार्टी के नेता होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि इस चुनाव में इन मशीनों (श्वङ्करू) का दुरुपयोग किया गया। जनता के साथ गलत किया गया। बैठक में विधायक आलोक मेहता ने कहा कि चुनाव में गड़बड़ी हुई है। इसीलिए ऐसा चौंकाने वाला परिणाम आया है। राजद के महज 25 प्रत्याशी ही विधानसभा चुनाव जीत पाए।

चुनाव परिणाम को लेकर कोर्ट जाने की चर्चा

मामले में राजद नेता रामानुज यादव ने बताया कि बैठक के हर एक नेता से बातचीत की गई। रिपोर्ट कार्ड देखा गया। इसके साथ ही चुनाव के परिणाम को लेकर कोर्ट जाने पर भी चर्चा हुई।

पीएम श्री सेजेस बसना में बाल दिवस व जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में भव्य आयोजन

बसना (समय दर्शन)। पीएम श्री सेजेस बसना में कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत बाल दिवस और जनजातीय गौरव दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दोनों ही दिवसों में बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं स्थानीय अतिथियों की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम और भी आकर्षक बन गया।

प्राचार्य के. के. पुरोहित के निर्देशन में बाल दिवस के अवसर पर बच्चों के लिए विशेष रूप से मनोरंजक और कौशल-विकास आधारित फन गेम्स आयोजित किए गए। इनमें विशेष रूप से शामिल रहे— जलेबी दौड़ - बच्चों ने जलेबी खाते हुए दौड़ पूरी कर खूब आनंद लिया। बलून

ब्लास्ट - बच्चों ने समय सीमा में अधिक से अधिक गुब्बारे फोड़कर प्रतियोगिता में जोश दिखाया। फ्रॉग रेस ङ्क मेंढक की तरह उछलते हुए बच्चे खेल का आनंद लेते नजर आए। क्लैप बोतल गेम - तालियां बजाकर बोतल गिराने का अनोखा खेल बच्चों को खूब पसंद आया ।बोरा दौड़, कुर्सी दौड़, नंबर गेम, क्रिकेट और फैमिली गेम—इन सभी ने बच्चों में टीमवर्क और खेल भावना को बढ़ावा दिया। फन गेम्स में छात्रों के साथ-साथ कई अभिभावकों ने भी उत्साह से भाग लिया जिससे विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल बन गया। इसके उपरांत विद्यालय की व्याख्याता मोहिनी चौधरी द्वारा सभी प्रतिभागियों व उपस्थित स्टाफ के लिए न्यौता भोज की व्यवस्था की गई, जिसमें सभी ने मिलकर सामूहिक भोजन का आनंद लिया।

जनजातीय गौरव दिवस : वीरता, संस्कृति और प्रेरणा का संदेश

15 नवम्बर को शासन के निर्देशानुसार जनजातीय गौरव दिवस एवं भगवान वीरसा मुंडा की जयंती पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य पुरोहित ने विद्यार्थियों को वीरसा मुंडा के शौर्य, उनके 'उलगुलान' आंदोलन, आदिवासी समाज के लिए उनके संघर्ष और राष्ट्र की स्वतंत्रता में उनके योगदान के बारे में विस्तार से बताया। इसके बाद विद्यालय परिसर में भगवान वीरसा मुंडा की जीवनी पर आधारित शॉर्ट फिल्म दिखाई गई। फिल्म देखकर बच्चों ने आदिवासी संस्कृति, परंपरा और वीरसा मुंडा के अतुलनीय साहस के बारे में प्रेरणादायक जानकारी प्राप्त की।

पुरस्कार वितरण एवं मुख्य अतिथि का आगमन

दोनों दिवसों की प्रतियोगिताओं में विजयी बच्चों को सम्मानित करने हेतु एक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एन. के. ध्रुव,एम. के. भोई,एस. के. बरिहा,एन. नाग, आर. एक्का उपस्थित रहे, जिन्होंने बच्चों को प्रोत्साहन देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। अतिथियों ने विद्यालय द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता तथा सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करते हैं।

संक्षिप्त-खबर

सेवा सहकारी समिति सुरपा में धान खरीदी का हुआ शुभारंभ किया- कल्पना नारद साहू सभापति जिला पंचायत दुर्ग

जामगांव आर (समय दर्शन)। सेवा सहकारी समिति मर्यादित सुरपा में 17 नवम्बर को धान खरीदी का शुभारंभ किया गया, जो कि भाजपा नेत्री कल्पना नारद साहू सभापति जिला पंचायत दुर्ग के आतिथ्य में हुआ। विदित हो कि पूरे प्रदेश में 15 नवम्बर से धान खरीदी की शुरुआत हो गई है। उसी के तहत सेवा सहकारी समिति सुरपा में 17 नवंबर सोमवार को धान खरीदी शुरू की गई। भाजपा नेत्री कल्पना नारद साहू सभापति जिला पंचायत दुर्ग ने श्रीफल के साथ पूजा कर धान खरीदी का शुभारंभ किया। पहले दिन 15 किसानों ने धान बेचा और लगभग 752.00 क्विंटल धान का खरीदी गया। इस अवसर पर सेवा सहकारी समिति सुरपा के अध्यक्ष नारद साहू, खेमलाल देशलहरे सभापति जनपद पंचायत पाटन, सेवा सहकारी समिति सुरपा के समिति प्रबंधक मुकेश कुमार अहीर, टी. एल, चंद्राकर शाखा प्रबंधक बेल्हारी,चन्द्रहास साहू, सरपंच सुरपा, कविता साहू सरपंच नवागांव, वरुण नेताम सरपंच टेमरी, छगनलाल साहू उपसरपंच नवागांव, रेवाराम साहू, लीलाधर साहू, लालकुमार साहू, रामअवतार सेन, दाऊराम साहू, प्रमोद जैन, कैलाश साहू, के साथ साथ बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

जिले के 111 उपार्जन केंद्रों के प्रभारी बनाए गए ग्राम पंचायत सचिव

महासमुन्द (समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विनय लंगेह द्वारा धान उपार्जन का कार्य सुचारु रुप से संचालित किये जाने हेतु जिले के 111 उपार्जन केंद्रों का संचालन ग्राम पंचायत के सचिवों को सौंपा गया है।

खरीफविपणन वर्ष 2025-26 धान खरीदी अंतर्गत विगत 12 नवंबर 2025 के आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानो से धान खरीदी कार्य को सुचारु रुप से संचालित किए जाने हेतु जिले के 111 उपार्जन केंद्रों में ग्राम पंचायत सचिवो को उपार्जन केन्द्र प्रभारी का प्रभार सौंपा गया है। जारी आदेश के तहत इनमें से महासमुंद विकासखंड के 18 उपार्जन केंद्र,बागबाहरा एवं कोमाखान के 09 ट्र09 , पिथौरा के 24 ,बसना के 30 एवं सरायपाली के 21 उपार्जन केंद्रों को ग्राम पंचायत सचिव के प्रभार में सौंपा गया है।

कुरूद में 100 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक सिविल अस्पताल का भूमि पूजन, स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ी छलांग

धमतरी (समय दर्शन)। कुरूद विकासखंड मुख्यालय स्थित स्वामी विवेकानंद इंडोर स्टेडियम में आज लोक स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने 100 बिस्तर वाले नवीन सिविल अस्पताल (उन्नयन) के निर्माण कार्य का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। लगभग ?17.84 करोड़ की लागत से प्रस्तावित यह पाँच मंजिला अत्याधुनिक अस्पताल कुरूद तथा आसपास के ग्रामीण अंचलों की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देगा।

मंत्री श्री श्याम बिहारी श्री जायसवाल ने कहा कि 100 बिस्तरों वाले इस नवीन अस्पताल भवन के निर्माण से क्षेत्र के नागरिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएँ स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगी।

उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण उपचार सरल, सुलभ और समय पर मिले। आधुनिक ओपीडी, डायलिसिस यूनिट, सीटी स्कैन, उन्नत लैब, आइसोलेशन वार्ड जैसी सुविधाएँ मरीजों की जीवन-रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यह अस्पताल कुरूद क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई ऊँचाई देगा। उन्होंने आगे कहा कि यहाँ नर्सिंग कॉलेज भी स्वीकृत है, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए स्वास्थ्य शिक्षा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

लोकसभा सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि कुरूद क्षेत्र में विकास के कार्य निरंतर और तेज गति से चल रहे हैं। उन्होंने कहा पहले मनुष्य की मूल आवश्यकताएँ केवल रोटी, कपड़ा और मकान तक सीमित थीं, लेकिन आज के दौर में शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान भी उतने ही महत्वपूर्ण हो गए हैं। राज्य सरकार इन सभी क्षेत्रों में संतुलित विकास कर प्रत्येक नागरिक की जरूरतों और सम्मान की रक्षा के लिए लगातार कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि कुरूद में 100 बिस्तरों वाले आधुनिक सिविल अस्पताल का निर्माण न केवल स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का प्रतीक है, बल्कि यह ग्रामीण अंचल के लिए एक सशक्त स्वास्थ्य सुरक्षा कवच भी साबित होगा। सांसद ने प्रदेश सरकार और जनप्रतिनिधियों के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की योजनाएँ आम लोगों के जीवन में ठोस सकारात्मक परिवर्तन लाती हैं। विधायक श्री अजय चंद्राकर ने कहा कि यह अस्पताल कुरूद के विकास की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कभी कुरूद का अस्पताल केवल 30 बिस्तरों का था, जिसे बढ़ाकर 50 बिस्तरों तक किया गया।

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में अब तक 13,765 क्विंटल धान की खरीदी

धमतरी जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जारी

धमतरी (समय दर्शन)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत धमतरी जिले में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से प्रारंभ हो गया है। जिला खाद्य अधिकारी श्री बी. के. कोर्राम ने बताया कि जिले के 100 निर्धारित उपार्जन केन्द्रों में से अब तक 32 केन्द्रों में कुल 13,765 क्विंटल 60 किलोग्राम धान की खरीदी की जा चुकी है। यह धान 344 पंजीकृत किसानों से लिया गया है। किसानों की सुविधा के लिए टोकन प्रणाली के माध्यम से खरीदी की पारदर्शिता और गति को सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में 18 नवंबर के लिए कुल 1,323 किसानों का टोकन काटा गया है, जिसके तहत लगभग 63 हजार क्विंटल धान की खरीदी प्रस्तावित है। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने जिले में खरीदी कार्य की प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उनके मार्गदर्शन में तौल-प्रक्रिया, गुणवत्ता परीक्षण, बारदाना उपलब्धता, परिवहन व्यवस्था तथा ऑनलाइन किसान पंजीयन से संबंधित सभी तैयारियों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि किसान हित शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और खरीदी कार्य में किसी प्रकार की कठिनाई न आए, इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में पर्याप्त संसाधन एवं कार्मिक तैनात किए गए हैं।

जिला प्रशासन द्वारा किसानों को समय पर टोकन उपलब्ध कराने, खरीदी केन्द्रों में भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और पारदर्शी भुगतान प्रणाली को भी प्राथमिकता दी जा रही है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे अपने निर्धारित तिथि व समय पर ही उपार्जन केन्द्रों में पहुंचे, जिससे खरीदी सुचारू ढंग से संचालित हो सके।

तहसील साहू संघ पाटन जिला दुर्ग के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का हुआ शपथ ग्रहण

जिलाध्यक्ष नंदलाल साहू नें दिलाई गोपनीयता की शपथ,समाज के विकास व हित में करेंगे कार्य-लालेश्वर साहू

पाटन (समय दर्शन)। तहसील साहू संघ पाटन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह साहू सदन (अटारी) पाटन में सम्पन्न हुआ।

तहसील साहू संघ पाटन में नवनिर्वाचित तहसील अध्यक्ष लालेश्वर साहू सहित पदाधिकारीयों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत समाज की देवी भक्त माता कर्मा की पूजा-अर्चना से हुई।

शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि मान. श्री ताम्रध्वज साहू पूर्व गृहमंत्री छ. ग. शासन, अध्यक्षता मान. श्री डॉ. निरेंद्र साहू अध्यक्ष प्रदेश साहू संघ रायपुर

विशिष्ट अतिथि मान. श्री नंदलाल साहू अध्यक्ष जिला साहू संघ दुर्ग, मान. श्रीमती रामशीला साहू पूर्व मंत्री छ. ग. शासन, , मान. श्रीमति कल्पना नारद साहू सभापति जिलापंचायत दुर्ग उपस्थित रहे।

इसके पश्चात मान. श्री नंदलाल साहू अध्यक्ष जिला साहू संघ दुर्ग नें नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ शपथ दिलाई.

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों मे श्री लालेश्वर साहू अध्यक्ष, श्री डुलेश्वर साहू उपाध्यक्ष, श्रीमती विमला साहू उपाध्यक्ष (महिला) ,श्री सुरेन्द्र कुमार साहू संगठन सचिव, श्रीमती भुनेश्वरी साहू संगठन सचिव (महिला) , नें ली शपथ. तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मान. श्री ताम्रध्वज साहू पूर्व गृहमंत्री छ. ग. शासन ने उपस्थित सामाजिक जनों एवं नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाइयाँ दी एवं समाज के उत्तरोत्तर विकास एवं समाज के उत्थान हेतु कार्य करने एवं समाज में सक्रियता पर बल दिया।

नंदलाल साहू अध्यक्ष जिला साहू संघ दुर्ग नें निवृत्तत्वमान अध्यक्ष व पदाधिकारियों के द्वारा शपथ कार्यक्रम के विरोध मे प्रदेश मे दिए आवेदन पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए कहा की ये बहुत ही पीड़ादायक विषय है की आज चुनाव परिणाम के बाद पूर्व अध्यक्ष व कुछ लोगो के द्वारा चुनाव मे अपनी करारी हार को बर्दास्त नहीं कर पा रहे है. इस विषय पर कहा की पूर्व चुनाव मे पूर्व तहसील अध्यक्ष दिनेश साहू स्वयं डिलीगेट्स चुनाव हारे थे पश्चात भी उन्हें सदन नें स्वीकार किया, व तहसील अध्यक्ष के रूप मे सम्मान दिया लेकिन आज समाज के मतदाता भाई बहनो के मतदान से लालेश्वर साहू जी के भारी मतो से जीत को नकार रहे है विरोध कर रहे है. हार को पचा नहीं पा रहे है. इसलिए शपथ कार्यक्रम का विरोध कर रहे है. जो पूरी तरह गलत है. समाज मे हार जीत होते रहता है, इस पर ध्यान न देकर समाजिक भाव सहयोग से सहभागिता देना चाहिए. समाज मे नए व कार्य करने वाले युवा, युवती सबको सम्मान मिलना चाहिए, और उन्हें समाज मे कार्य करने का दायित्व मौका मिलना चाहिए चाहे वह चुनाव जीता हो या हारे हो यह मायने नहीं रखता , समाज के प्रति उनकी सेवा, समर्पण, व कार्य करने का जूनून होना चाहिए. मै सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पुन: बधाई व शुभकामनायें देता हू.

तहसील साहू संघ पाटन के अध्यक्ष लालेश्वर साहू नें सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान करते हुए सभी को बधाई देते हुए कहा की हम सब एक परिवार है और इस सदन के माध्यम से पुरे तहसील को समाजिक नियमों के अनुसार स्वच्छ व निष्पक्षता पूर्वक संचलित करेंगे. आप सबके स्नेह आशीर्वाद से मै व मेरे पुरे टीम द्वारा सबको साथ मे विश्वास मे लेकर कार्य करेंगे, आप सभी नें हमें सेवा करने का मौका दिया आशीर्वाद दिया उसके लिए आप सभी को धन्यवाद, प्रणाम करता हू.

तहसील साहू संघ के संरक्षक श्री अश्वनी साहू नें सभी कार्यक्रम मे आए अतिथियों सहित परिक्षेत्र व स्थानीय समाज से आये स्वजातीयजनों का आभार व्यक्त किया, मंच का संचालन तहसील साहू संघ पाटन के महासचिव महेंद्र साहू नें किया. कार्यक्रम का समापन सामूहिक रूप से राष्ट्रगान क़र पश्चात किया गया. इस अवसर पर तहसील साहू संघ पाटन के महासचिव श्री महेन्द्र कुमार साहू, कोषाध्यक्ष नारद साहू सहित,डॉ सुरेश कुमार साहू ,श्रीमती गीता साहू, दिलीप साहू, श्रीमती हेमलता साहू सह , गंगादीन साहू, विनोद साहू,अनिल कुमार , रविशंकर साहू, कल्याण साहू, श्री रोहित साहू , डिजेन्द्र कुमार , मधुकांत साहू , योगेश साहू , श्रीमती कोमिन साहू, श्रीमती खेमलता साहू आदि उपस्थित थे।

करही के पंचायत भवन से सचिव नदारत, पंचायत भवन में हमेशा लटका रहता है ताला

जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत करही का मामला

बिर्रा (समय दर्शन)। समीपस्थ ग्राम करही के पंचायत भवन से पंचायत सचिव हमेशा नदारत रहता है। जिसके कारण ग्राम पंचायत करही के पंचायत भवन में हमेशा ताला लटका हुआ मिलता है। पंचायत सचिव के नियमित रूप से पंचायत भवन करही में नहीं बैठने के कारण ग्राम वासियों को बेवजह भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि नवीन जिला सक्ती के जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत करही (किकिरदा) में पदस्थ पंचायत सचिव अनिल कुमार खुटे के द्वारा पंचायत भवन से हमेशा नदारत रहने के कारण पंचायत भवन में ताला लटकता हुआ दिखाई दे रहा है। शासन प्रशासन की निष्क्रियता एवं लापरवाही के कारण आम नागरिकों को बेवजह परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत सचिव हमेशा जनपद पंचायत मुख्यालय जैजैपुर जाने की बात बोलकर बहाना बनाते हैं। अगर पंचायत सचिव का माह में एक बार दर्शन हो गया तो सबसे बड़ी बात है। पंचायत सचिव अनिल कुमार खूंटे ग्राम पंचायत करही में वर्तमान पंचायत पदाधिकारियों के कमजोरी का पूरा-पूरा फायदा उठा रहा है। जिसकी वजह से पंचायत आता जाता नहीं है। ग्राम पंचायत करही में उप सरपंच का नहीं होना। इसके साथ ही सरपंच पति का गांव से बाहर होना। इन सभी का पंचायत सचिव अनिल कुमार खूंटे शासन के नियम के विरुद्ध चलकर पूरा फायदा उठा रहा है। एक परित्यागिता महिला अपने राशन कार्ड बनवाने के फॉर्म में पंचायत सचिव से हस्ताक्षर करवाने के लिए और कई बुजुर्ग वृद्धा पेंशन बनवाने के लिए कई बार पंचायत सचिव का दर्शन करने के लिए पंचायत भवन का दर्जनों चक्कर काट चुके हैं। इसके बावजूद भी पंचायत सचिव अनिल कुमार खुटे का पंचायत भवन में नहीं मिलना विभाग के उच्च अधिकारियों का पंचायत सचिव अनिल कुमार खूंटे के साथ मिली भगत को दर्शाता है। ग्राम वासियों ने बताया कि जन्म और मृत्यु की पंजीयन करवाने के साथ प्रमाण पत्र बनवाने के लिए बार-बार पंचायत भवन का चक्कर काटने के बाद भी पंचायत सचिव से मुलाकात नहीं हो पा रही है। जिसके कारण ग्रामीणों को मानसिक और शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बहरहाल कारण चाहे जो भी हो ग्राम पंचायत करही के पंचायत भवन से सचिव के नदारत रहने से ग्राम वासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम वासियों ने उक्त पंचायत सचिव को यहां से हटाने की मांग कलेक्टर महोदय से किए हैं।

अहिवारा नगर पालिका—विवादों की राजनीति के बीच खोता विकास

अहिवारा (समय दर्शन)। जिला दुर्ग के अहिवारा नगर पालिका में इन दिनों जिस तरह चर्चा में है, वह किसी भी उभरते नगर के लिए शुभ संकेत नहीं है। जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच संवाद का टूटना किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं माना जा सकता, लेकिन अहिवारा में यह स्थिति अब सामान्य होती जा रही है। अध्यक्ष,एवं कुछ पार्षदों और नगर पालिका अधिकारियों के बीच बढ़ रहा तनाव नगर के भविष्य को सीधे प्रभावित कर रहा है।

नगर की जनता ने अपने प्रतिनिधियों को विकास की जिम्मेदारी दी है, परन्तु आज वही जिम्मेदारी अधिकारी के कारण विवादों और आरोपङ्क्तप्रत्यारोप की भेंट चढ़ती दिख रही है। जब निर्णय लेने वाली संस्था ही मतभेदों से जकड़ जाए, तो विकास योजनाएँ कैसे आगे बढ़ेंगी? अहिवारा में यही कुछ हो रहा है।

नगर पालिका की बैठकों में लगातार असहमति, प्रस्तावों का अटक जाना और आरोपों का सिलसिला—ये सब इस बात का संकेत हैं कि यहाँ विकास से अधिक शक्ति-प्रदर्शन पर जोर है। कुछ पार्षदों का आरोप है कि अध्यक्ष के साथ अधिकारी मनमानी कर रहे हैं, वहीं अध्यक्ष का कहना है कि कुछ जनप्रतिनिधि राजनीतिक स्वार्थ में काम रोकने की कोशिश कर रहे हैं। जनता दोनों पक्षों की इस खींचतान को समझती भी है और इससे त्रस्त भी।

स्थानीय राजनीति का नगर पालिका में हस्तक्षेप कोई नई बात नहीं, लेकिन अहिवारा में यह दखल अब विकास कार्यों की गति को थामने लगा है। अधिकारी दबाव और खींचतान के बीच निर्णय लेने से बच रहे हैं। फाइलें इधर से उधर घूम रही हैं और जनता की समस्याएँ ज्यों की त्यों पड़ी हैं। सड़कङ्क्नाली निर्माण, पेयजल आपूर्ति, सफाई व्यवस्था—ये नगर की बुनियादी आवश्यकताएँ राजनीति की भेंट चढ़ रही हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि शहर का विकास अब 'कौन कितना शक्तिशाली' है, इस प्रतियोगिता का माध्यम बनता जा रहा है।

जनता ने अपने प्रतिनिधियों को काम के लिए चुना था, विवाद पैदा करने के लिए नहीं। जब नागरिकों को यह दिखने लगता है कि उनके मुद्दों से अधिक प्राथमिकता व्यक्तिगत मतभेदों को दी जा रही है, तब लोकतांत्रिक विश्वास कमजोर पड़ता है।

ज्ञानोदय विद्यालय में बाल दिवस पर खेलकूद, वनभोज और विविध कार्यक्रम आयोजित

जांजगीर (समय दर्शन)। ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजगीर हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम में बाल दिवस के अवसर पर 14 नवंबर को खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों, फैंसी ड्रेस और वनभोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मॉ सरस्वती के छाया चित्र पर धूप पूजन के साथ हुई। संपूर्ण आयोजन का संचालन प्राचार्य डॉ. सुरेश यादव के मार्गदर्शन में किया गया। बाल दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. श्रीमती अर्चना यादव ने बच्चों की प्रतिभा और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।प्राचार्य डॉ. सुरेश यादव ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सहयोग, टीम भावना और आनंदपूर्ण सीखने की प्रवृत्ति को मजबूत करते हैं।

विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगे गुब्बारों से आकर्षक रूप से सजाया गया था। प्री प्राइमरी एवं प्राइमरी के नर्सरी से द्वितीय कक्षा तक के बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता तथा विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेलकूद और समूह गतिविधियों के अंतर्गत विद्यालय में बॉटल गेम, टुगेदर मूविंग गेम, एक्शन वर्ड एक्टिविटी और रोप स्किपिंग जैसे कई रोचक खेल आयोजित किए गए। प्राथमिक कक्षा तृतीय से पाँचवीं कक्षा के विद्यार्थियों को वसुंधरा पार्क में वनभोज तथा खेलकूद कराया गया।

माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक कक्षा - छठवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय परिसर में ही सामूहिक भोज और विभिन्न खेलकूद आयोजित किए गए।

विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी विद्यार्थियों के उत्साह को बनाए रखते हुए सक्रिय रूप से सहभागिता की।

कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को चॉकलेट, बिस्किट एवं गिफ्ट देकर बाल दिवस की शुभकामनाएँ दी गईं।

दिल्ली में हुए कायराना आतंकवादी हमले का मुस्लिम समाज ने किया विरोध, राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर की जामा मस्जिद इंतेजामिया कमेटी के सदर मुस्लिम समाज के अध्यक्ष रईस अहमद शकील के नेतृत्व में महामहिम राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

कमेटी ने ज्ञापन में 10 नवंबर की शाम दिल्ली में ऐतिहासिक लाल किले के पास कार विस्फोट की आतंकी घटना की कड़ी निंदा की। साथ ही दोषियों को कठोर सजा दिलाने की मांग की। मांगपत्र सौंपने वालों में कमेटी के अध्यक्ष शकील के साथ बड़ी संख्या में सामाजिक लोग शामिल हुए।

जामा मस्जिद कमेटी के सदर हाजी रईस अहमद शकील ने कहा कि आतंकी अपनी कायराना हरकत से भारत की सामाजिक समरता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इन दहशतगर्दों के नापाक इरादों को भारतीय जनमानस कभी पूरा नहीं होने देगा।

मुस्लिम समाज ने मांग करते हुये कहा है कि इस घटना की एनआईए जांच कर दोषियों को कठोर सजा दी जाए, ताकि भविष्य में दोबारा ऐसी घटना की पुनर्रावृत्ति न हो। वहीं आतंकवाद के जड़ से खात्मे के लिए केन्द्र सरकार की तरफसे ठोस कार्रवाई की जाए।

इसी विश्वास के साथ मुस्लिम समाज शासन से अपेक्षा करता है कि इस घटना की एनआईए की जांच से दोषियों को कठोर सजा दिलाई जाएं। इसके लिए उचित कदम उठाया जाएं तथा आतंकवाद को जड़ से खात्में के लिए केन्द्र सरकार ठोस कार्यवाही को अंजाम दें।

शहर जामा मस्जिद के खातिबो इमाम कासिम रजा बरकाती ने कहा कि हम हुकूमते हिन्द से अपील करते हैं कि इस मामले में कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि इस घटना में जो लोग मारे गए हैं, उनके परिवार के प्रति पूरे देशवासी और मुस्लिम समाज की संवेदना है। समाज के सैय्यद अफजल अली ने लिखा कि किसी भी धर्म, मजहब से ताल्लुक रखने वाला व्यक्ति यदि आतंकवादी गतिविधियों में शामिल है अथवा आतंकवाद फैलाकर देश अस्थिर करने की कोशिश करता है, निर्दोषों को नुकसान पहुंचाता है तो उसे बिल्कुल भी बख्शा न जाये। केंद्रीय मंत्रिमंडल संकल्पित हो राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता मजबूत हों और यह सुनिश्चित हो कि आतंकवाद और ऐसी घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली में 10 नवंबर 2025 को हुए आतंकी हमले में निर्दोष नागरिकों की मौत दु:खद और हृदय विदारक है, हम शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और इस कायराना आतंकी कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं। आतंक और हिंसा के विरुद्ध देश एकजुट है। इंसानियत पर किसी भी हमले को सफल नहीं होने दिया जाएगा। जामा मस्जिद के खतीबों ईमाम कासिम रजा बरकाती, हनफी मस्जिद गोलबाजार के ईमाम यूसुफ रजा, मोती मस्जिद के ईमाम अहमद रजा, मिस्बाही, कन्हारपुरी नूरी मस्जिद के ईमाम मुहम्मद शहजाद, कन्हारपुरी मस्जिद के सदर सैय्यद असगर अली हाशमी, शांति नगर शाहे मदीना मस्जिद के सदर हाजी मोहम्मद वफीद राजा, पूर्व पुलिस अधिकारी अब्दुल रशीद खान, हाजी मोहम्मद फारूख, मोहम्मद इब्राहिम मुन्ना भाई, हसन भाई एडवोकेट, सकलैन रजा, ईमाम बेग, हाजी बशीर गोरी, हाजी मो. इरफान, अफजल खान, यासीन गुरुजी, दिलदार खान, मोहम्मद हासिम, यूसुफ अली हासमी आदि उपस्थित थे।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्यमिता पर विशेष सत्र आयोजित

'युवा नवाचार से सजेगा आत्मनिर्भर भारत का भविष्य' — उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आज स्वावलंबी भारत अभियान के अंतर्गत आत्मनिर्भर भारत में युवाओं की भूमिका: नवाचार और उद्यमिता विषय पर विशेष सत्र एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल (IIC) द्वारा किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्रगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और उद्यमशीलता की भावना को मजबूत करना था, ताकि युवा भारत के आत्मनिर्भरता मिशन में सक्रिय भूमिका निभा सकें। इस अवसर पर विभिन्न विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय पदाधिकारियों एवं नवाचार से जुड़े वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए।

इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को युवाओं के नवाचार और उद्यमिता ही साकार कर सकते हैं। उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को देश की आर्थिक मजबूती का आधार बताया। कोविड काल का उल्लेख करते हुए कहा कि संकट को अवसर में बदलने की प्रधानमंत्री की सोच ने भारत को विश्व में पहला ऐसा देश बनाया जिसने अपनी ही धरती पर कोविड वैक्सीन विकसित की। मंत्री श्री वर्मा ने युवाओं को राष्ट्रीय पुनर्जागरण का वाहक बताते हुए कहा कि आज नवाचार आधारित उद्यमिता न केवल उद्योग खड़ा कर रही है, बल्कि स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और नए रोजगारों का मार्ग भी प्रशस्त कर रही है।

केंद्र सरकार की स्टार्टअप इंडिया,मेक इन इंडिया,डिजिटल इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और स्टैण्डअप इंडिया जैसी पहल को युवाओं के लिए बड़ा अवसर बताते हुए मंत्री वर्मा ने कहा कि एआई, रोबोटिक्स, ड्रोन, फिनटेक, एग्रीटेक और बायोटेक जैसे क्षेत्रों में भारत के युवा विश्व नेतृत्व की क्षमता रखते हैं।

मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि उद्यमिता का वास्तविक आधार जोखिम लेने का साहस, स्पष्ट दृष्टि और सतत परिश्रम है। विफलता को उन्होंने सीखने का अवसर बताते हुए युवाओं को लगातार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मंत्री श्री वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाने की दिशा में विभिन्न नवाचार व युवा-केंद्रित गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में स्वामी विवेकानंद जयंती (12 जनवरी) के अवसर पर सभी विश्वविद्यालयों में रन फॉर स्वदेशी का आयोजन किए जाने की भी घोषणा की गई।युवाओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि देश को केवल नौकरी पाने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले युवाओं की आवश्यकता है। विकसित भारत का भविष्य युवा शक्ति के नवाचार पर ही टिका है।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्टार्टअप मार्गदर्शन, नवाचार प्रक्रियाओं, प्रेरक उद्यमशील उदाहरणों तथा सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अंत में द्वद्वष्ट ने छात्रों से नवाचार व उद्यमिता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का प्रस्तावित अम्बिकापुर दौरा की तैयारियों का आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के 20 नवंबर 2025 को प्रस्तावित अम्बिकापुर दौरे को लेकर छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन एवं पशुधन विकास विभाग के मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कार्यक्रम स्थल पीजी कॉलेज ग्राउंड पहुंचकर तैयारियों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आदिम जाति विकास मंत्री श्री नेताम ने आमंत्रित अतिथियों एवं जनसमूह के लिए बैठक व्यवस्था, स्टॉलों की रूपरेखा, आवागमन की सुगमता तथा यातायात प्रबंधन की स्थिति का जायज़ा लिया। साथ ही उन्होंने पार्किंग स्थान, रूट चार्ट, हेलिपैड की तैयारी तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री श्री नेताम ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि राष्ट्रपति का आगमन सरगुजा के लिए गौरव का क्षण है। इसलिए सभी व्यवस्थाएं समय पर उच्च स्तर की हों, ताकि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। स्थल निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री विलास भोसकर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, एएसपी श्री अमोलक सिंह ढिल्लो सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन- मुण्डाडीह में 92 घरेलू नल कनेक्शन क्रियाशील

रायपुर। सभी घरों में व्यक्तिगत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है। स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों, ग्राम पंचायत भवनों, स्वास्थ्य केंद्रोंऔर सामुदायिक भवनों को कार्यात्मक नल कनेक्शन प्रदान करना है। जिला मुख्यालय जशपुर से लगभग 70 कि.मी. की दूरी पर स्थित सुदूर वनांचल के गारीघाट पंचायत का राजस्व ग्राम मुण्डाडीह में जल जीवन मिशन के अंतर्गत तीन उच्च स्तरीय जलागार स्थापित कर कुल 92 क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से संपूर्ण ग्रामवासियों को शुध्द पेय जल उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जल जीवन मिशन योजना का बेहतर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए हैं।

जल जीवन मिशन योजना के आने से पूर्व ग्रामीणों को अपनी दैनिक पेयजल की आवश्यकताओं के लिए हैण्डपंप एवं कुंओं पर पूर्ण रूप से आश्रित थे। मुख्यत: महिलाएं पानी हेतु लाईन लग कर पानी भरने का कार्य सुबह

शाम किया करती थी। बारिश के दिनों में पानी प्रदूषित होने की वजह से ग्रामीणों का पेट खराब, डायरिया इत्यादि बीमारियों का भी सामना करना पड़ता था।

जल जीवन मिशन योजना के आने के बाद अब ग्रामीणों को पानी भरने नहीं जाना पड़ता एवं तबीयत खराब होने की समस्या में भी कमी आई है। सभी ग्रामीणों को घर में नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल मिलने से सभी ग्रामीण खुश है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले हम हैण्डपंप एवं कुओं के द्वारा पानी भरने से परेशान थे पर अब वैसी समस्या नहीं है हम सभी खुश हैं। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया हैं।

ग्रामीणों की सहमति एवं शपथ के माध्यम से इस ग्राम का हर घर जल को सर्टिफाइड कर दिया गया है एवं जल सभा के माध्यम से ग्रामीणों को योजना का सुचारू रूप से संचालित करने के नियमों को समझा कर लंबे समय तक योजना के संचालन को भी सुनिश्ति किया गया है।

धान खरीदी के दौरान काम से मना करने पर 4 के खिलाफ एफआईआर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू हो गई है। धान खरीदी में ड्यूटी लगाने के बाद भी काम नहीं करने वाले 4 ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने की खबर है। एस्मा के नियमों की अनदेखी करने पर रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह के निर्देश पर सख्ती बरती गई है। जल्द इन अधिकारियों की गिरफ्तारी हो सकती है।

बता दें कि सहकारी समितियों के कर्मचारी चार सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। धान खरीदी प्रभावित न हो, इसके लिए सरकार ने धान खरीदी में लगे अधिकारियों-कर्मचारियों पर एस्मा लगाया है। धान खरीदी के दौरान काम से मना करने पर कानूनी कार्रवाई के निर्देश भी दिए थे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ये 4 अधिकारी किसी भी तरह का काम नहीं कर रहे थे। साथ ही काम करने वाले दूसरे अधिकारियों को भी रोक रहे थे, जिसके चलते चार ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी के खिलाफएफआईआर दर्ज होने की खबर सामने आई है।

पहले दिन 19464 क्विंटल धान की खरीदी

धान खरीदी के पहले दिन प्रदेश में आज कुल 195 उपार्जन केन्द्रों में 19464 क्विंटल धान का उपार्जन किसानों से किया गया। शासन द्वारा राज्य के 2,739 उपार्जन केन्द्रों में खरीदी संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई है। उल्लेखनीय है कि सहकारी समितियों के कर्मचारियों द्वारा आंशिक रूप से हड़ताल पर जाने से उपार्जन प्रभावित होने की संभावना उत्पन्न हुई थी, जिसे शासन के निर्देश पर विपणन संघ द्वारा आउटसोर्सिंग के माध्यम से 2,739 डेटा एंट्री ऑपरेटरों की व्यवस्था कर सुचारू रूप से धान उपार्जन सुनिश्चित किया गया। कई जिलों में सहकारिता विभाग के कर्मचारियों ने भी धान उपार्जन की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए खरीदी कार्य को निरंतर बनाए रखा।

धान खरीदी में संलग्न कर्मचारियों के लिए एस्मा लागू

शासन द्वारा धान खरीदी में संलग्न कर्मचारियों को अत्यावश्यक सेवा संधारण तथा विच्छिन्नता निवारण अधिनियम 1979 के तहत अधिसूचित कर तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है, जिससे उपार्जन प्रक्रिया निर्बाध रूप से संचालित रहे। इस वर्ष धान उपार्जन को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी एवं किसान उन्मुख बनाने के लिए उपार्जन केन्द्रों में ऑनलाइन टोकन एवं तुंहर टोकन प्रणाली को व्यापक रूप से लागू किया गया है। आज प्रदेश में जारी हुए कुल 2,029 टोकन में से 1,912 किसानों द्वारा तुंहर टोकन के माध्यम से आवेदन किया गया। इसके अतिरिक्त, किसान समिति स्तर पर भी टोकन हेतु आवेदन कर सकते हैं। लघु एवं सीमांत किसानों को अधिकतम 2 टोकन तथा दीर्घ किसानों को अधिकतम 3 टोकन की सुविधा प्रदान की गई है।

किसानों से संवाद कर धान खरीदी व्यवस्था की ली जानकारी

सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने धान खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण

रायपुर, 17 नवंबर 2025

राज्य शासन के निर्देशानुसार धान खरीदी कार्य को सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से आज लोक निर्माण विभाग सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने सरगुजा जिले के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर श्री विलास भोसकर भी उनके साथ मौजूद रहे।

सचिव डॉ सिंह ने किसानों ने सीधे संवाद कर धान खरीदी प्रक्रिया से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने ने किसानों को आश्वस्त किया कि शासन द्वारा किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दिया जा रहा है उन्होंने कहा कि धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। सचिव एवं सरगुजा जिले के प्रभारी सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने आदिमजाति सेवा सहकारी मर्यादित समिति डांड़गांव, उदयपुर एवं जमगला के धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण कर संपूर्ण

खरीदी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने केंद्रों में मौजूद किसानों से सीधे चर्चा कर खरीदी प्रक्रिया, टोकन वितरण, तुलाई, बारदाना उपलब्धता और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार परेशानी न हो यह सुनिश्चित करने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

तकनीकी उपकरणों नियमित परीक्षण करें- निरीक्षण के दौरान जिला प्रभारी सचिव ने धान उपार्जन केंद्रों में उपलब्ध प्रमुख तकनीकी एवं आधारभूत सुविधाओं की जानकारी ली, उन्होंने

बायोमेट्रिक डिवाइस,नमी मापक यंत्र, इलेक्ट्रॉनिक कांटा, कंप्यूटर सेट, इंटरनेट कनेक्शन एवं विद्युत व्यवस्था, स्टैकिंग व्यवस्था, बारदाना उपलब्धता एवं भंडारण प्रबंधन प्रक्रिया का अवलोकन किया और अधिकारियों को सभी उपकरणों का नियमित परीक्षण एवं रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम श्री बनसिंह नेताम, जिला खाद्य अधिकारी श्री एस. बी. कांमठे, उदयपुर जनपद पंचायत सीईओ श्री वेद प्रकाश गुप्ता, नोडल अधिकारी सीसीबी श्री पी.सी. गुप्ता सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

वी, विदेश यात्रा के अनुभव को चिंतामुक्त बनाने के लिए टेलीकॉम जगत में पहली बार लेकर आए फैमिली आईआर प्रपोज़िशन

मुंबई : भारत में विदेश यात्रा में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो रही है। पर्यटन मंत्रालय द्वारा जारी भारतीय पर्यटन डेटा संग्रह 2025 के मुताबिक विदेश जाने वाले भारतीयों की संख्या में 10.79 फीसदी सालाना की बढ़ोतरी हुई है, 2024 में 30.89 मिलियन भारतीयों ने विदेश यात्रा की। रूझानों से यह भी साफहै कि भारतीय लोग अपने परिवार के साथ मिलकर विदेश यात्रा करना पसंद करते हैं। हाल ही में उद्योग जगत में जारी एक और रिपोर्ट के अनुसार 59 फीसदी भारतीय अपने जीवनसाथी या पार्टनर के साथ यात्रा करते हैं तथा 26 फीसदी भारतीय अपने परिवार के सदस्यों के साथ यात्रा करते हैं। आज के दौर में परिवार के साथ यात्रा करने वाले भारतीयों की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए जाने-माने टेलीकॉम ऑपरेटर वी फैमिली यूज़र्स के लिए लेकर आए हैं टेलीकॉम जगत का पहला फैमिली आईआर प्रपोज़िशन, जिसके तहत पेश किए गए आईआर पैक्स को यात्रा के इस सीज़न इंटरनेशनल रोमिंग को किफ़ायती बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। वर्तमान में वी एकमात्र ऑपरेटर है जो इंटरनेशनल रोमिंग पर ट्रूली अनलिमिटेड डेटा और कॉलिंग के फायदे देता है, तो परिवार विदेश यात्रा के दौरान भी सहज कनेक्टिविटी का आनंद उठा सकते हैं। टेलीकॉम जगत में पहली बार- परिवार के साथ विदेश यात्रा के दौरान करें ज़्यादा बचत- वी भारत में पोस्टपेड एवं फैमिली पोस्टपेड उपभोक्ताओं के सबसे बड़े आधार को अपनी सेवाएं प्रदान करता है। परिवार विदेश यात्रा के दौरान भी सहजता से कनेक्टेड बने रहें तथा ज़्यादा बचत कर सकें, इसके लिए वी ने लॉन्च किया है टेलीकॉम जगत का पहला फैमिली आईआर प्रपोज़िशन, जिसके तहत सैकण्डरी मेंबर्स भी आईआर पैक्स पर एक्सक्लुज़िव डिस्काउन्ट के फायदे पा सकते हैं।

लेंसकार्ट ने बार्सिलोना के ब्रांड मेलर को भारत में लॉन्च किया और लैबुबू मेकर पॉपमार्ट संग नई रचनात्मक साझेदारी के साथ प्रीमियम पोर्टफोलियो का किया विस्तार; ग्लोबल हाउस ऑफ ब्रांड्स को मजबूत किया

नई दिल्ली। लेंसकार्ट ने आज भारत में मेलर के लॉन्च की घोषणा की और वैश्विक पॉप-कल्चर ब्रांड पॉपमार्ट के साथ एक नई रचनात्मक आईवियर साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी से आईवियर ब्रांड्स का एक आधुनिक घराना बनाने की उसकी महत्वाकांक्षा और मज़बूत होगी और लेंसकार्ट को समकालीन आईवियर डिज़ाइन के केंद्र के रूप में स्थापित किया जाएगा। पॉप मार्ट × लेंसकार्ट आईवियर कलेक्शन दिसंबर के पहले हफ्ते से सिंगापुर में—ऑनलाइन और चुनिंदा लेंसकार्ट स्टोर्स में—लॉन्च होगा। इस रेंज में संग्रहणीय, चरित्र-प्रेरित डिज़ाइन पेश किए गए हैं, जो उन उपभोक्ताओं के लिए हैं जो भावपूर्ण, चंचल और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक फैशन एक्सेसरीज पसंद करते हैं। यह साझेदारी लेंसकार्ट के सांस्कृतिक सहयोगों के बढ़ते दायरे पर आधारित है, जिसमें हैरी पॉटर, हैलो किट्टी, पोकेमॉन, ड्रैगन बॉल ज़ेड, सुपरमैन और बैटमैन शामिल हैं। ये सहयोग लेंसकार्ट को डिज़ाइन-आधारित कहानी कहने के माध्यम से अपने आईवियर की अपील को व्यापक बनाने में मदद कर रहे हैं जो प्रशंसकों और उभरती उपसंस्कृतियों से गहराई से जुड़ती है। बार्सिलोना में शुरू किया गया मेलर, यूरोप के सबसे प्रभावशाली डी2सी युवा आईवियर ब्रांडों में से एक बन गया है, जो अपने बोल्ड सिल्हूट, स्ट्रीट-कल्चर से प्रेरित पैलेट और अभिव्यंजक, फ़ैशन-फ़ॉरवर्ड सौंदर्यशास्त्र के लिए जाना जाता है। 700,000 से अधिक फ़ॉलोअर्स और यूरोप और अमेरिका में मज़बूत पकड़ के साथ, मेलर ने एक जीवंत वैश्विक समुदाय और विशिष्ट, डिज़ाइन-आधारित आईवियर चाहने वाले युवा उपभोक्ताओं के साथ एक गहरा जुड़ाव बनाया है। भारत में, मेलर अब लेंसकार्ट के रिटेल नेटवर्क के साथ-साथ लेंसकार्ट ऐप और वेबसाइट के ज़रिए ऑनलाइन भी उपलब्ध होगा। ब्रांड सबसे पहले उच्च फ़ैशन-अनुकूलता वाले क्षेत्रों से मेल खाने के लिए जियोआईक्यू इंटेलिजेंस का उपयोग करके पहचाने गए लगभग 500 क्यूरेटेड स्टोर्स में इसे लॉन्च करेगा। मेलर, जॉन जैकब्स, ओनडेज़ जैसे ब्रांडों और पॉपमार्ट, ड्रैगन बॉल ज़ेड और हैरी पॉटर जैसी रचनात्मक साझेदारियों के माध्यम से, लेंसकार्ट धीरे-धीरे एक विचारशील प्रीमियम पोर्टफोलियो तैयार कर रहा है जो नई पीढ़ी के ग्राहकों की ज़रूरतों के अनुरूप है। आईवियर उद्योग ने दिखाया है कि कैसे मजबूत प्लेटफॉर्म ब्रांडों को आगे बढ़ने में मदद कर सकते हैं, और लेंसकार्ट को अभिव्यंजक, डिज़ाइन-प्रधान ब्रांडों की अगली लहर को सक्षम करने में अपनी भूमिका निभाने की उम्मीद है। प्रत्येक ब्रांड एक विशिष्ट डिज़ाइन दर्शन और उपभोक्ता वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे लेंसकार्ट विशिष्टता, प्रीमियम गुणवत्ता और स्टाइल चाहने वाले वैश्विक ग्राहकों की एक विस्तृत श्रृंखला की सेवा कर पाता है। लेंस तकनीक के क्षेत्र में, वैश्विक नवप्रवर्तक टोकाई और रोडेनस्टॉक ने भी लेंसकार्ट के साथ साझेदारी की है।

रायपुर-मुंबई हवाई सफर होगा और सुगम, इंडिगो 1 फरवरी से शुरू करेगी चौथी फ्लाइट

रायपुर। नए साल से रायपुर से मुंबई की हवाई यात्रा और सुविधाजनक होने जा रही है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इंडिगो एयरलाइंस 1 फरवरी से रायपुर-नवी मुंबई के बीच चौथी फ्लाइट शुरू करने जा रही है, जो दोपहर के शेड्यूल में संचालित होगी। वर्तमान में रायपुर-मुंबई रूट पर तीन निजी उड़ानें चल रही हैं, लेकिन इनका किराया अक्सर 10 हजार रुपए से ऊपर रहता है और सीजन में यह दोगुना से ढाई गुना तक बढ़ जाता है। नई उड़ान के शुरू होने से यात्रियों को अधिक विकल्प और उपयुक्त समय उपलब्ध होगा। दो साल पहले एयर इंडिया की मुंबई-रायपुर-विशाखापट्टनम फ्लाइट बंद होने के बाद चौथी कनेक्टिविटी खत्म हो गई थी, जिसे अब इंडिगो पुन: बहाल कर रहा है। नई फ्लाइट 6ई 2283 नवी मुंबई से दोपहर 12.50 बजे रवाना होकर 2.35 बजे रायपुर पहुंचेगी, जबकि वापसी की फ्लाइट 6ई 22844 रायपुर से 3.05 बजे टेकऑफ कर शाम 5.05 बजे मुंबई लैंड करेगी। यह समय व्यापारियों, छात्रों और मेडिकल यात्रियों के लिए लाभदायक माना जा रहा है।

संपादकीय

राष्ट्र-व्यापी मुद्दा बना एसआईआर

विपक्षी खेमों में एसआईआर के खिलाफ भावनाएं सिर्फ चंद राज्यों तक सीमित नहीं हैं। बल्कि यह राष्ट्र-व्यापी मुद्दा बना हुआ है। हैरतअंगेज है कि इसके बावजूद निर्वाचन आयोग ने विपक्षी दलों से संवाद शुरू करने की जरूरत नहीं समझी है। एक नवंबर को मुंबई में शिवसेना और महाराष्ट्र नव-निर्माण सेना के नेतृत्व में कई विपक्षी दलों ने कथित वोट चोरी के खिलाफ बड़ा मोर्चा निकाला। उन्होंने मांग की जब तक मतदाता सूची को सुधारा नहीं जाता, राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव नहीं होने चाहिए। शरद पवार ने इस आंदोलन की तुलना 1950 के दशक के संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन से की है, जिसकी वजह से इस मराठी भाषी राज्य का गठन हुआ। दो नवंबर को चेन्नई में मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने तकरीबन 40 दलों के नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण को लाखों लोगों को मताधिकार से वंचित करने का प्रयास बताया गया। इन दलों ने निर्वाचन आयोग के इस अभियान के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का एलान किया है। मंगलवार को कोलकाता में एसआईआर के खिलाफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मोर्चा संभालेंगी। तृणमूल कांग्रेस ने इस प्रक्रिया पर आपत्ति जताने के लिए वहां रैली का आयोजन किया है। केरल की विधानसभा बकायदा एसआईआर के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर चुकी है। इस बीच बिहार में चल रहे विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान जब-तब वोट चोरी की चर्चा जारी है। बिहार का मामला पहले से सुप्रीम कोर्ट में है, जिसमें अभी फैसले का इंतजार है। विपक्षी खेमों में एसआईआर और निर्वाचन आयोग के खिलाफ ऐसी भावनाएं सिर्फ इन पांच राज्यों तक सीमित नहीं हैं। बल्कि यह राष्ट्र-व्यापी मुद्दा बना हुआ है। हैरतअंगेज यह है कि इसके बावजूद निर्वाचन आयोग ने विपक्षी दलों से संवाद शुरू करने की जरूरत नहीं समझी है। हालांकि इस बात के संकेत हैं कि केंद्र सरकार के नीति-निर्माताओं के बीच इस प्रकरण में चुनावी लोकतंत्र की प्रमुख संचालक संस्था के खिलाफ बन रहे माहौल को लेकर चिंता है, फिर भी सार्वजनिक रूप से सत्ता पक्ष विपक्ष के इससे संबंधित आरोपों को ठेंगे पर रखे हुए है। नतीजतन एक ऐसी स्थिति बन रही है, जिसके परिणामस्वरूप हर चुनावी नतीजा एक बड़े जनमत की निगाह में संदिग्ध बना रहेगा। इसका दूरगामी असर आबादी के एक बड़े तबके की निगाह में निर्वाचित सरकारों की वैधता पर पड़ेगा। यह एक ऐसी आशंका है, जिसको लेकर सबको चिंतित होना चाहिए।

भारत अब 'किलर' देश के रूप में हंसी का विषय

हरिशंकर व्यास

हां, 15 अगस्त 1947 से अब तक का भारत रिकॉर्ड खंगाल डालिए। वैश्विक मंच में भारत को इतना जलील, हिंदुओं को इतनी गालियां पहले कभी नहीं मिलीं, जितना मई 2025 से शुरू सिलसिला है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थकों ने मानों ठान ली हो। इस सप्ताह गजब ही हुआ। ट्रंप ने दक्षिण कोरिया में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) के कॉरपोरेट जमावड़े में प्रधानमंत्री मोदी की नकल की। कहा, मोदी बहुत खूबसूरत इंसान हैं, पर किलर हैं, बहुत टफ हैं। फिर आवाज़ बदलकर मोदी लहजे में बोले नो, नो, वी मस्ट फाइट! और सभागार हंसी से गूंज उठा। सोचें, भारत अब 'किलर' के देश के रूप में हंसी का विषय। इसी भाषण में ट्रंप ने फिर कहा, मैंने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया और कहा— हम आपके साथ कोई व्यापार समझौता नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी बोले— नहीं, नहीं, हमें व्यापार समझौता करना ही चाहिए। मैंने कहा— नहीं, नहीं कर सकते। आप पाकिस्तान से युद्ध शुरू कर रहे हैं, हम ऐसा नहीं करेंगे।ज मैंने चेतावनी दी थी कि अगर तुम लोग नहीं रुके तो मैं दोनों देशों पर 250 प्रतिशत शुल्क लगा दूंगा— जिसका मतलब होगा कि तुम कभी व्यापार नहीं कर पाओगे।ज मैंने पढ़ा कि सात विमान गिराए गए हैं। ये दोनों परमाणु संपन्न देश हैं और एक-दूसरे से भिड़े हुए हैं। मानों यह कम हो जो ट्रंप ने फिर कहां कि, मैं भारत के साथ एक व्यापार समझौता कर रहा हूं, और मुझे प्रधानमंत्री मोदी के प्रति बहुत सम्मान और प्रेम है।ज.उसी तरह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भी बहुत अच्छे इंसान हैं। उनके पास एक फील्ड मार्शल हैं— जानते हैं वह फील्ड मार्शल क्यों हैं? (ध्यान रहे यह तमंगा उन्हे ऑपरेशन सिंदूर के बाद मिला था) क्योंकि वह एक महान योद्धा हैं, बहुत बढ़िया व्यक्ति हैंज मैं इन सबको अच्छी तरह जानता हूं। सोचे, ये वे ट्रंप हैं, जिनकी चमचागिरी में प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव के दौरान प्रवासी हिंदुओं के बीच कहा था कि अबकी बारज. ट्रंप सरकार! इतिहास का सत्य है कि पंडित नेहरू और इंदिरा गांधी की विदेश नीति से अमेरिका हमेशा खटका रहा। लेकिन मजाल जो किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत और उसके प्रधानमंत्री का ऐसे अपमान किया हो। मजाक उड़ाया हो। मगर ट्रंप के लिए मोदी सरकार ऐसी हो गई है जो सौ प्याज, सौ जूते खाते हुए भी अंतत: अमेरिका की शर्त में सौदा करेगी। तभी उन्होने दक्षिण कोरिया में विश्वास जताया कि मैं भारत के साथ एक व्यापार समझौता कर रहा हूं! ठिक दूसरी तरफ इस सप्ताह चीन ने ट्रंप को झुकाया। अमेरिका को 'रेयर अर्थ' निर्यात की सहमति दे कर, सोयाबीन की खरीद वापिस शुरू करके अमेरिकी टैरिफ घटाने का ट्रंप से बयान दिलवाया। वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप से सामना होने से बचने के लिए मलेशिया में आयोजित आसियान सम्मेलन से कन्नी काटी। जबकि ब्राज़ील और कनाडा जैसे देशों ने भी सप्ताह भर चली आसियान बैठक में हिस्सा लिया थी लेकिन भारत के प्रधानमंत्री गैरहाज़िर थे। और इससे भी बुरी हकीकत दुनिया में हिंदुओं से नफरत में तेजी है। पाकिस्तानियों के हौसले बढ़े हुए हैं। अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन कोई पहले की तरह अब भारत या हिंदुओं का पैरोकार नहीं। दिवाली पर ट्रंप के संदेश का भारत में चाहे जितना ढोल बजा मगर असलियत है कि उस त्योहार के दिन अमेरिका के सोशल मीडिया में हिंदुओं को गालियां थीं। ट्रंप के खास और अमेरिका की घरेलू सीबीआई याकि एफबीआई के प्रमुख प्रवासी भारतीय काश पटेल ने इतना भर दिवाली का यह संदेश दिया था- हेप्पी दिवाली टू ऑल! और बस फिर सोशल मीडिया पर ट्रंप भक्त कट्टरपंथियों का झुंड टूट पड़ा। किसी ने लिखा— विदेशी देवताओं का त्योहार अमेरिका में मत मनाओ, किसी ने कहा— सभी हिंदुओं को देश से निकालो और किसी ने सीधे-सीधे दिवाली को 'राक्षसों का उत्सव' बताया।

बिहार का जनादेश: एनडीए की सुनामी में ध्वस्त हुआ महागठबंधन

योगेश कुमार गोयल

बिहार की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर पहुंची है, जहां मतदाता ने अपनी पसंद को अभूतपूर्व स्पष्टता, दृढ़ता और राजनीतिक परिपक्वता के साथ दर्ज किया है। 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव सामान्य जनादेश नहीं बल्कि एक गहरा राजनीतिक संदेश है, जहां नीतीश कुमार के सुशासन ने अविश्वास को पछाड़ दिया, स्थिरता ने प्रयोगधर्मिता को और सामाजिक सुरक्षा ने जातीय ध्रुवीकरण को दृढ़ता से मात दे दी। बिहार का यह जनादेश बताता है कि बिहार का मतदाता भावनात्मक राजनीति, जातिगत उत्तेजना और चुनावी वादों की चमक-दमक से परे निकल चुका है और वह केवल उसी नेतृत्व को स्वीकार करता है, जो उसके जीवन में वास्तविक बदलाव लाए, सुरक्षा दे, भरोसा कायम रखे और विकास को धरातल पर उतारे। इसी कसौटी पर यह समझना कठिन नहीं कि एनडीए को ऐतिहासिक जीत क्यों मिली और महागठबंधन क्यों धराशायी हो गया।

243 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 122 है पर चुनाव परिणामों ने स्पष्ट किया कि यह सीमा इस बार महज एक गणितीय संख्या बनकर रह गई। एनडीए बहुमत से कहीं आगे निकल गया जबकि महागठबंधन का प्रदर्शन तमाम पूर्वानुमानों से बहुत नीचे रह गया, जो 50 सीटें भी हासिल नहीं कर सका। तेजस्वी यादव, जो दो वर्षों से स्वयं को मुख्यमंत्री-इन-वेटिंग के रूप में प्रक्षेपित करते रहे, जनता द्वारा स्पष्ट तौर पर नकार दिए गए। यह हार केवल किसी एक नेता की नहीं बल्कि पूरी उस राजनीतिक रणनीति की असफलता है, जो जातीय समीकरणों, लुभावने लेकिन अवास्तविक वादों और सहयोगियों को हाशिये पर रखकर बनाई गई थी। 2020 में महज कुछ हजार वोटों से पीछे रहने वाली आरजेडी को इस बार उम्मीद थी कि वह आसानी से सत्ता के द्वार तक पहुंच जाएगी लेकिन 2025 ने उसका यह सपना ध्वस्त कर दिया।

इस चुनाव में महागठबंधन की सबसे बड़ी गलती टिकट वितरण की रणनीति रही। आरजेडी ने 144 सीटों में से 52 यादव उम्मीदवार उतारे, जो कुल टिकटों का लगभग 36 प्रतिशत थे। यह संख्या 2020 के मुकाबले कहीं अधिक थी। तेजस्वी यादव का उद्देश्य भले ही अपने कोर वोट बैंक को मजबूत करना रहा हो लेकिन इसका परिणाम उलटा निकला। यादव बिहार की आबादी का मात्र 14 प्रतिशत हैं जबकि चुनाव का फैसला ईबीसी, महादलित, सवर्ण, युवा, महिलाएं, शहरी एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों पर निर्भर करता है। इतने अधिक यादव प्रत्याशी उतारने से यह संदेश गया कि आरजेडी सत्ता को फिर से एक जाति के हाथों में सौंपना चाहती है। एनडीए ने इसे चुनावी हथियार बनाकर 'यादव राज-भाग 2' का नैरेटिव चलाया, जो शहर से गांव तक गूंजता हुआ जनमत को प्रभावित करता गया। इसके विपरीत उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव ने 2024 में जातिगत संतुलन साधते हुए केवल 5 यादव प्रत्याशी उतारे थे, जिससे व्यापक सामाजिक आधार मिला। तेजस्वी इससे सीख नहीं ले सके और आरजेडी की छवि और भी यादव-केंद्रित बन गई, जिसका सीधा असर 10 से 15 प्रतिशत वोटों के खिसकने के रूप में सामने आया।

दूसरी बड़ी गलती गठबंधन प्रबंधन की विफलता रही। महागठबंधन ऊपरी तौर पर भले ही मजबूत दिखता रहा लेकिन भीतर से बिखरा हुआ था। कांग्रेस से सीट-बंटवारे पर तकरार, वाम दलों को कमजोर सीटें देना और सहयोगियों को प्रचार में हाशिये पर रखना, इन सबने गठबंधन में असंतोष पैदा किया। सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब महागठबंधन का घोषणापत्र 'तेजस्वी प्रण' के नाम से जारी किया गया। यह कदम साझेदारी की भावना को ठेस पहुंचाता था। कांग्रेस गारंटी मॉडल पर केंद्रित थी, वाम दल मजदूर-किसान मुद्दों को उभार रहे थे लेकिन तेजस्वी केवल नौकरियों के वादे पर टिके रहे। महागठबंधन एक साझा दृष्टि से वंचित रहा और चुनावों में एकजुट चेहरा न बन सका। तेजस्वी की तीसरी चूक उनके वादों के अविश्वसनीय स्वरूप में दिखी। उन्होंने हर घर में नौकरी, पेंशन, शराबबंदी की समीक्षा, महिलाओं की बड़ी आर्थिक मदद जैसे भारी-भरकम वादे तो किए पर उनके क्रियान्वयन, वित्तीय स्रोत या समय सीमा पर कोई विश्वसनीय उत्तर नहीं दे सके। हर मंच से वे कहते रहे कि ब्लूप्रिंट जल्दी आ जाएगा लेकिन चुनाव समाप्त होने तक वह ब्लूप्रिंट नहीं आया। इससे उनकी विश्वसनीयता पर गहरा आघात हुआ, खासकर युवाओं और शहरी मतदाताओं में।

महागठबंधन की मुस्लिम परस्त छवि ने नुकसान को और बढ़ाया। मुस्लिम बहुल सीटों पर तो लाभ मिला पर पूरे राज्य में यह छवि प्रतिकूल साबित हुई। वक्फबिल को लागू न करने की तेजस्वी की घोषणा और कई संवेदनशील बयानों ने यादव समुदाय के एक वर्ग को भी असहज कर दिया। एनडीए ने इसे भुनाया और लालू यादव के संसद में दिए भाषणों को वायरल कर जनमत को प्रभावित किया। गैर-मुस्लिम और गैर-यादव वोटों ने निर्णायक मोड़ पर महागठबंधन को छोड़ दिया। तेजस्वी यादव की सबसे जटिल रणनीतिक गलती उनके पिता लालू प्रसाद यादव को लेकर उनकी दोहरी राजनीति रही। उन्होंने लालू की विरासत का सहारा भी लिया और उससे दूरी भी बनाए रखी। पोस्टरों में पिता की तस्वीर छोटी रखी गई जबकि मंचों पर उनके नाम का राजनीतिक इस्तेमाल किया गया। यह दोहरापन मतदाता को भ्रमित करता रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तेजस्वी पर 'लालू के पाप छिपाने' का आरोप लगाना इस उलझन को और गहरा कर गया।

इसके विपरीत एनडीए ठोस काम और प्रामाणिक शासन मॉडल के साथ मैदान में उतरा। नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में महिला-सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा की जो नींव रखी थी, वही इस चुनाव में निर्णायक बनी। 2006 में शुरू हुई साइकिल योजना, किताब-धन, पोशाक-धन, छात्रवृत्ति, जीविका समूहों का विस्तार, इन सबने महिला मतदाताओं के मन में एक स्थायी भरोसा पैदा किया। 2025 के चुनाव में महिलाओं का मतदान पुरुषों से 9 प्रतिशत अधिक रहा, जो स्पष्ट संकेत था कि महिला मतदाता एनडीए के साथ खड़ी हैं। जीविका समूहों से जुड़ी एक करोड़ से अधिक महिलाओं पर आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभाव सीधा मतदान व्यवहार पर पड़ा। 10,000 रुपये की सहायता और 2 लाख रुपये तक की उद्यम सहायता ने इन्हें राजनीतिक रूप से और भी सक्रिय बनाया। दलित और अति पिछड़ी महिलाओं का समर्थन भी निर्णायक रहा। महागठबंधन की ऊंची-ऊंची घोषणाओं के विपरीत एनडीए की योजनाएं उनके जीवन में ठोस बदलाव ला रही थी, जिससे जातीय ध्रुवीकरण की संभावित रणनीति भी ध्वस्त हो गई।

सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा कानून-व्यवस्था का रहा। बिहार 2005 से पहले जिस बदहाल सुरक्षा व्यवस्था से गुजर रहा था, उसे नीतीश कुमार के शासन ने बदल दिया। अपराध में आई गिरावट, सड़क-बिजली में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और रात में भी महिलाओं की सुरक्षित आवाजाही, ये सब बातें बिहार के सामाजिक मानस में गहराई से दर्ज हैं। एनडीए ने इसका चुनावी लाभ उठाया और जनता ने इसे स्वीकार किया। 2025 का चुनाव इस सबसे महत्वपूर्ण सबक को दोहराता है कि लोकतंत्र में सिर्फ मुद्दे नहीं बल्कि नेतृत्व की विश्वसनीयता मायने रखती है। तेजस्वी युवा और ऊर्जावान हैं लेकिन वे अभी उस परिपक्वता, ठोस दृष्टि और स्थिरता वाले नेतृत्व का विकल्प नहीं बन पाए, जिसकी उम्मीद बिहार का मतदाता करता है। आरजेडी का जाति-केंद्रित चुनाव, महागठबंधन की विफल रणनीति और तेजस्वी की नीतियों का धुंधलापन, इन सबने मिलकर परिणाम तय कर दिए।

कुल मिलाकर, यह जनादेश केवल एनडीए की जीत नहीं बल्कि बिहार के मतदाता की राजनीतिक परिपक्वता का प्रमाण है। यहां जनता ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह सिर्फ सरकार नहीं, विश्वास चुनती है। वह सिर्फ घोषणाओं से नहीं, स्थिरता और सुशासन से प्रभावित होती है और 2025 में यह विश्वास एक बार फिर नीतीश कुमार पर जा टिका है, जो कठिन परिस्थितियों में भी व्यवस्था को थामे रहने वाले दीर्घदृष्टि वाले नेता साबित हुए हैं। यह परिणाम तेजस्वी की हार नहीं, रणनीति की हार है। यह महागठबंधन का पतन नहीं, एनडीए की मजबूती है और यह चुनाव नहीं, बिहार की परिपक्व लोकतांत्रिक चेतना का प्रमाण है।

अमेरिका से ज्यादा भारत में ममदानी की चर्चा

अजीत द्विवेदी

जब से जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के मेयर का चुनाव जीते हैं तब से अमेरिका से ज्यादा उनकी चर्चा भारत में हो रही है। भारत का राइट विंग इकोसिस्टम पूरी गंभीरता से और कुछ स्वतंत्र विश्लेषक मजाकिया अंदाज में बता रहे हैं कि आखिर ममदानी भी मुफ्त की रेवड़ी का वादा करके चुनाव जीत गए। उनका कहना है कि भारत और न्यूयॉर्क के लोगों में कुछ ज्यादा फर्क नहीं है। दूसरी ओर एक मुस्लिम महिला इन्फ्लूएंसर इस बात से नाराज हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ममदानी को उनकी जीत पर बधाई नहीं दी। सो, चाहे जिस कारण से हो ममदानी की खूब चर्चा है। भारत का मीडिया उनको भारतीय मूल का बताने पर तूला है, जबकि उन्होंने अमेरिका में अपने को युगांडा मूल का प्रवासी बताया है। अब सवाल है कि क्या सचमुच ममदानी के वादे और भारत की 'मुफ्त की रेवड़ी' एक ही जैसे हैं? पहली नजर में ये निश्चित रूप से एक जैसे दिखते हैं लेकिन इन दोनों में कुछ बारीक फर्क हैं।

दुर्भाग्य से भारत की पार्टियां और उनके नेता इस फर्क को समझने का प्रयास नहीं करेंगे। वे तो पहले से मान रहे हैं कि यह भारत का मॉडल है, जो न्यूयॉर्क में भी सफल साबित हुआ। न्यूयॉर्क में ममदानी की जीत उनको और प्रेरित करेगी कि वे बढ़ चढ़ कर वादे करें। उनको तो एक प्रेरणा की जरुरत होती है। जैसे इन दिनों राहुल गांधी को नेपाल की घटना से प्रेरणा मिली है। नेपाल के आंदोलन और तख्तापलट के बाद उन्होंने अपने हर भाषण में 'जेन जी' का जिक्र शुरू कर दिया है। नेपाल की घटना से पहले ध्यान नहीं आता है कि उन्होंने एक बार भी इस शब्द युग्म 'जेन जी' का प्रयोग किया हो। लेकिन उसके बाद उनका कोई भाषण नहीं है, जिसमें वे इसका प्रयोग नहीं करते हैं। उनको नेपाल से प्रेरणा मिल गई है। वे भारत में जाति, धर्म के विभाजन और वैचारिक, सांस्कृतिक विविधता को समझे बगैर 'जेन जी' को एक होमोजेनस यानी समरूप नागरिक वर्ग मान कर उसे आंदोलन के लिए प्रेरित करने में लगे हैं। इसमें कामयाबी मुमकिन नहीं है। उसी तरह से मुफ्त की घोषणाओं का भी मामला है। भारत में मुफ्त की सेवाओं और वस्तुओं की घोषणा चुनावी सफलता दिला रही है लेकिन उसके पीछे और भी कई कारण काम कर रहे होते हैं। बिना सोचे समझे 'मुफ्त की रेवड़ी' बांटने की घोषणा जीत नहीं दिला सकती है।

मिसाल के तौर पर बिहार विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव ने हर परिवार को एक सरकारी नौकरी देने का वादा किया। इस वादे पर संभवतः किसी को यकीन नहीं हुआ क्योंकि इसके पीछे कोई सुचिंतित आधार नहीं है। हां, उन्होंने महिलाओं के लिए ढाई हजार रुपए महीने की घोषणा की और चुनाव के बीच कहा कि वे 14 जनवरी को एक साथ पूरे साल के 30 हजार रुपए महिलाओं के खाते में डाल देंगे तो यह बात महिलाओं को अपील कर रही है। नीतीश कुमार की सरकार के 10 हजार के मुकाबले तेजस्वी के 30 हजार की चर्चा हो रही है। यह भी दिखाता है कि वादे ऐसे होने चाहिए, जिन पर लोग भरोसा कर सकें और दूसरे, उन वादों का लक्षित समूह होना चाहिए। याद करें कैसे पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस व विपक्ष का संविधान और आरक्षण बचाने का मुद्दा चला क्योंकि भाजपा के नेता चार सौ सीट पाकर संविधान बदलने की बात कर रहे थे लेकिन हर साल एक लाख रुपए खटाखट खाते में डालने का मुद्दा टांय टांय फिस्स हो गया।

असल में भारत में मुफ्त की रेवड़ी और ममदानी मॉडल का फर्क यह है कि भारत में भेड़चाल है। चांद, तारे तोड़ कर लाने के वादे हैं, जबकि ममदानी मॉडल लक्षित समूहों के लिए खास सुविधाओं की घोषणा का है और साथ ही वैचारिक व सांस्कृतिक प्रतिबद्धता का भी है। दुनिया में पब्लिक रिलेशन के जनक कहे जाने वाले एडवर्ड एल बार्नेस की थ्योरी है कि अगर आपके एक्शन में यानी आप जो करते हैं उसके पीछे नीतिगत तैयारी है तभी आपको अपने एक्शन का लाभ मिलेगा। इसे उदाहरण देकर उन्होंने समझाया कि अगर कोई नेता जनता के बीच किसी छोटे बच्चे को दुलार करता या उसको किस करता है तो उससे पहले उसके पास चाइल्ड केयर की कोई अच्छी नीति होनी चाहिए। यानी नीतिगत तैयारी के बगैर आप कोई रैंडम एक्ट करते हैं तो उससे ऑप्टिक्स तो बनता है, वोट नहीं बनते हैं। मिसाल के तौर पर बिहार में तेजस्वी यादव कहीं भी क्रिकेट बैट लेकर बल्लेबाजी करने लगते हैं या बैडमिंटन रैकेट लेकर खेलने उतर जाते हैं। अगर उनके पास कोई अच्छी स्पोर्ट्स पॉलिसी होती, जिसका ऐलान उनको करना होता तब तो इस तरह खेलना लाभ पहुंचाएगा अन्यथा इसका कोई मतलब नहीं है। इसी तरह अगर राहुल गांधी मत्स्य पालन की कोई नीतिगत घोषणा करके तालाब में मछली पकड़ने कूदते तो शायद ज्यादा लाभ होता।

बहरहाल, ममदानी के प्रचार अभियान में यही दिखा कि लक्षित समूहों को ध्यान में रख कर मुफ्त की चीजों की घोषणा की और उसका प्रत्यक्ष लाभ उनको मिला। उन्होंने बहुत सोच समझ कर रिहाइश, परिवहन और खाने पीने की चीजों को अपने चुनावी वादे के केंद्र में रखा। इसके लिए उनकी या डेमोक्रेटिक पार्टी की टीम ने व्यापक अध्ययन किया। उनके सामने यह आंकड़ा था कि पिछले कुछ वर्षों में न्यूयॉर्क में औसत किराया या हाउसिंग का खर्च 68 फीसदी बढ़ गया है। इसी तरह परिवहन और खाने पीने का औसत खर्च 56 फीसदी बढ़ा है। इन दोनों के बढ़ने का राष्ट्रीय औसत 40 फीसदी है। न्यूयॉर्क की एक दूसरी हकीकत यह है कि शेयर बाजार, निवेश या बैंकिंग सेक्टर में काम करने वालों की संख्या 16 से घट कर 13 फीसदी हो गई है, जबकि शिक्षक, नर्स, चाइल्ड केयर जैसे कम वेतन वाले काम में शामिल लोगों की आबादी 30 से बढ़ कर 40 फीसदी हो गई है। ऐसे ही न्यूयॉर्क में रहने वाले विदेश में जन्मे लोगों की आबादी एक चौथाई हो गई है। तभी ममदानी का वादा रिहाइश, परिवहन और खान पान को लेकर था।

इसका फायदा यह हुआ कि लक्षित समूहों के बीच उनके वादों ने उत्साह पैदा किया। उनको लगा कि यह उनके जीवन और रहन सहन से जुड़ा वादा है। चुनाव नतीजों में भी यह परिलक्षित हुआ। ममदानी को ब्रूकलिन, मैनहटन और ब्रॉन्क्स में 10 से 20 फीसदी तक की बढ़त मिली क्योंकि इन इलाकों में कम वेतन में काम करने और सरकारी सहायता पर निर्भर लोगों की आबादी ज्यादा है। दूसरी ओर निर्दलीय एंड्रूय कुओमो को अमीरों की बस्ती स्टैटन आईलैंड में 33 फीसदी की बढ़त मिली। अगर सोशल प्रोफाइलिंग के हिसाब से देखें तो एशियाई, हिस्पैनिक और अश्वेत लोगों में ममदानी को सबसे बड़ा समर्थन मिला। इससे साफ होता है कि 'मुफ्त की रेवड़ी' चुनाव जीतने का एक मंत्र है लेकिन उसका इस्तेमाल लक्षित समूहों के बीच, उन समूहों की जरुरतों के हिसाब से और यकीन दिलाने के अंदाज में करना होगा। इसके साथ ही वैचारिक और सांस्कृतिक मूल्यों को भी पकड़े रहना होगा।

बिरसा मुंडा जयंती-जनजाति गौरव दिवस

शिवप्रकाश

ब्रिटिश हुकूमत द्वारा अपने जल, जंगल, ज़मीन, जनजाति पहचान एवं स्वतंत्रता पर संकट देखकर उसके रक्षण के लिए शोषणवादी अंग्रेजी सत्ता के विरोध में उलगुलान आंदोलन करने वाले धरती आबा की उपाधि से विभूषित भगवान बिरसा मुंडा की यह 150 वी जयंती का वर्ष है । उनका जन्म 15 नवम्बर 1875 को अलिहातू ग्राम जनपद राँची में हुआ था। अंग्रेजों के खिलाफ़ सशस्त्र विद्रोह करने के कारण वह गिरफ्तार हुए एवं जेल में ही 9 जून 1900 को उनका बलिदान हो गया । उनकी संघर्षमय स्मृति को चिरस्थायी रूप देने एवं उनसे युवा पीढ़ी प्रेरणा प्राप्त कर सके, इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया है। भगवान बिरसा मुंडा ने दुर्व्यसनों से रहित जीवन , अंधविश्वास से मुक्ति एवं अपनी भूमि के प्रति स्वाभिमान का भाव जनजाति समाज को सिखाया। उन्होंने शोषण के प्रति आवाज उठाते हुए बेगारी प्रथा का विरोध किया। ब्रिटिश सत्ता को लगान न देने का आह्वान कर उन्होंने उलगुलान आंदोलन कों प्रारंभ किया। उनका नारा था अबुआ राज़ एते जाना, महारानी राज टुंडू जीना।(हमारा शासन शुरू हो, रानी का शासन समाप्त हो ।) जनजाति गौरव दिवस केवल भगवान बिरसा मुंडा ही नहीं, आदिवासी समाज में जन्मे उन असंख्य महापुरुषों को समर्पित है, जिन्होंने भारतीय संस्कृति के उत्थान एवं देश की स्वतंत्रता के लिए अपना संपूर्ण जीवन उत्सर्ग किया । नागालैंड की महारानी गाइडन्यू जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ़ विद्रोह किया एवं स्वधर्म के स्वाभिमान के लिए हरक्का आंदोलन चलाकर नागा समाज में मतांतरण का विरोध किया । राजस्थान में जन्मे गोविंद गुरु भील समाज में अध्यात्म, समाज सुधार एवं शोषण के खिलाफ़ आंदोलन के प्रतीक बन गये । रानी दुर्गावती, तिलका माजी, अल्लूरी सीताराम राजू, कोरम भील, टाट्या भील, सिद्धू - कानू मुर्मू आदि जनजाति समाज के महानायकों के बिना भारत का इतिहास अधूरा है । उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम तक फैले जनजातीय समाज ने स्वतंत्रता के आंदोलन, धर्म-संस्कृति एवं पर्यावरण के संरक्षण के लिए अपने प्राणों की बाजी लगाई है । संपूर्ण भारतवर्ष इन सभी महापुरुषों का सदैव ऋणी रहेगा । वर्तमान में भी मैरीकॉम मुक्केबाजी में, कोमालिका बारी धनुर्विद्या एवं दिलीप तिर्की हॉकी जैसे अनेक जनजातीय नौजवान अनेक विधाओं के माध्यम से देश का नाम उज्ज्वल कर रहे है। साम्राज्यवादी यूरोपीय ताकतें जब दुनिया के देशों में साम्राज्य विस्तार की आकांक्षा लेकर गयी तब उन्होंने वहाँ के मूल निवासियों का भीषणतम नरसंहार किया । अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, न्यूजीलैंड आदि का इतिहास इन वीभत्स घटनाओं से भरा पड़ा है । इस नरसंहार में साम्राज्यवादी ताकतों के शासन को स्थायित्व देने के लिए चर्च- मिशनरी भी इस रक्तपात में शामिल हो गई । क्योंकि उन्होंने वहाँ के मूल निवासियों को समाप्त करने का प्रयास किया था। जिसके कारण मूलनिवासियों की संख्या उन देशों में निरंतर कम होती चली गई । भारत में इस षड्यंत्र को समझने के लिए उदाहरण स्वरूप मिशनरियों का संकल्प जिसको ईस्ट इंडिया कंपनी के वित्त मंत्री, बंगाल एवं मुंबई प्रेसिडेंसी में गवर्नर रहे रिचर्ड टेम्पल ने 1883 में लंदन में बेप्टिस्ट सोसाइटी के मध्य अपने भाषण में कहा था कि ब्रिटिश सत्ता को स्थायी बनाए रखने के लिये संकल्पित मिशनरियों को अपने प्रयास का केंद्र आदिवासियों को बनाना चाहिए, यह आदिम जातिया अपने मन एवं अंत:करण से सफेद कागज की सतह प्रदान करती है जिसपर बड़ी आसानी से मिशनरी अपने चिह्न छोड़ सकती है । मूल निवासियों की संख्या वृद्धि एवं पहचान को बनाये रखने के लिए 1994 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने 9 अगस्त को विश्व मूल निवासी दिवस घोषित किया। भारत में एक षड्यंत्र के अंतर्गत मूलनिवासी दिवस को आदिवासी दिवस नाम दे दिया गया । भारत में रहने वाला जनजातीय समाज एवम् अन्य सभी यहीं के मूल निवासी ही हैं । भारत में आदिवासियों पर कभी कोई अत्याचार नहीं हुए वरन वह तो भारतीय संस्कृति के संवाहक रहे हैं। इस कारण भारत में विश्व मूल निवासी दिवस की प्रासंगिकता नहीं लगती है । जनजाति समाज में मतांतरण एवं अलगाव का भाव उत्पन्न करने के लिए नए- नए आंदोलन खड़े करने का प्रयास हो रहा है । 1994 की सी.वी. सी.आई. पुणे की सभा में सचिव प्रतिवेदन में बताया गया कि चर्च दलित मुक्ति आंदोलन, आदिवासी मुक्ति आंदोलन एवं पर्यावरण सुरक्षा जैसे विषयों पर मिशनरी सहयोग कर रहे हैं ।

इन बी-टाउन अभिनेत्रियों ने अपने साड़ी लुक से मचाया तहलका

ट्रेंड एलिगेंस से लेकर कंटेम्पररी ट्विस्ट तक, बॉलीवुड की सबसे फैशनेबल महिलाएं साड़ी पर अपने अनूठे अंदाज के साथ स्टाइल बेंचमार्क सेट करना जारी रखती हैं। चाहे क्लासिक हो या एजी, उनका लुक इस बात का प्रमाण है कि साड़ी कितनी बहुमुखी और एक्सप्रेसिव हो सकती है। यहां बॉलीवुड की कुछ साड़ी स्टाइल आइकॉन पर एक नजर डालते हैं, जिन्होंने परंपरा को आधुनिक ग्लैमर के साथ सहजता से जोड़ा है। ताहिरा की गुलाबी रंग की साड़ी, जटिल डिटेलिंग से सजी, यह साबित करती है कि सादगी में ही शान है। उन्होंने अपने लुक को नाजुक झुमकों, एक सदाबहार घड़ी और मुलायम, ब्लश-टोन्ड मेकअप के साथ जोड़ा है, जो एक ऐसा वाइब बनाता है जो संयमित और लुभावनी ठाठ दोनों है।

प्रियंका चोपड़ा जोनास:
प्रियंका ने ओवरसाइज़्ड शेड्स और लेयर्ड चोकर के साथ रेट्रो स्पिन जोड़ते हुए बोल्ड पिंक एम्बेलिश्ड साड़ी में सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। उनका ढीला बन और बोल्ड रेड लिप्स ड्रामा का एहसास देते हैं,जिससे उनका लुक ग्लैमर और चुलबुलेपन के एक शानदार स्टेटमेंट में बदल जाता है।

विद्या बालन
विद्या हमेशा से ही साड़ी की खूबसूरती की मिसाल रही हैं। पारंपरिक रूप से स्टाइल की गई लाल रंग की प्रिंटेड साड़ी में,उन्होंने कुंदन के गहनों और चूड़ियों के साथ खूबसूरती को दर्शाया है,जिससे उनका लुक क्लासिक और सहज रूप से आकर्षक दोनों ही लग रहा है।

शिल्पा शेट्टी
अपने एक्सपेरीमेंटल फैशन सेंस के लिए मशहूर शिल्पा ने मेटेलिक एक्सेंट वाली लाल कॉकटेल साड़ी में कमाल कर दिया। स्टेटमेंट इयररिंग्स, गोल्ड ब्रेसलेट और चंकी रिंग्स के साथ उनका बोल्ड लुक पारंपरिक शान में एक नया मोड़ जोड़ता है,जिससे उनका स्टाइल उनके जीवंत व्यक्तित्व का सच्चा प्रतिबिंब बन जाता है।

'गोलियों की रासलीला राम-लीला' को 12 साल पूरे

संजय लीला भंसाली दुनिया के सबसे बड़े फिल्ममेकरों में से एक माने जाते हैं। उन्हें अक्सर राज कपूर और गुरु दत्त जैसे दिग्गजों की श्रेणी में रखा जाता है। भंसाली के नाम कई बड़ी हिट फिल्में हैं,जिनमें गोलियों की रासलीला राम-लीला भी शामिल है,जो अपनी रिलीज को 12 साल पूरे कर चुकी है। जैसे-जैसे यह जोश से भरी, भावुक और बेहद खूबसूरत फिल्म 12 साल पूरे करती है, इसे अब भी इसकी भव्य कहानी, रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण की यादगार कैमिस्ट्री,दमदार एक्टिंग और भंसाली की शानदार विजुअल स्टाइल के लिए सेलिब्रेट किया जाता है। ऐसे में फिल्म की सालगिरह पर, यहां इसके 12 दिलचस्प फैक्ट्स पर डालें नजर, जो इस महाकाव्य को और भी खास बनाते हैं।

रणवीर की खास ट्रेनिंग
रणवीर सिंह को फिट और समय पर रखने के लिए भंसाली ने मुंबई फिल्म सिटी के सेट पर ही एक जिम बनवाया था,ताकि वह शॉट्स के बीच में भी वर्कआउट कर सकें। रणवीर ने 12 हफ्तों की कड़ी बॉडी ट्रांसफ़ॉर्मेशन की सख़्त हाई-प्रोटीन डाइट, बिल्कुल भी चावल या मिठाई नहीं और दिन में दो बार वर्कआउट।

देसी रोमियो और जूलियट
यह फिल्म विलियम शेक्सपीयर की मशहूर कहानी रोमियो और जूलियट का संजय लीला भंसाली द्वारा बनाया गया एक साहसी "देसी एडॉप्टेशन" है,जिसे दो दुश्मन गुजराती घरानों की पृष्ठभूमि पर रखा गया है।

भंसाली द कंपोजर
निर्देशक संजय लीला भंसाली ने न सिर्फ फिल्म को डायरेक्ट और लिखा है, बल्कि पूरा ओरिजिनल म्यूजिक भी खुद ही बनाया है। यह उनकी दूसरी फिल्म थी जिसमें उन्होंने म्यूज़िक डायरेक्टर का काम किया। ऐसे में फिल्म के सभी गाने सुपरहिट हुए और आज भी वे लोगों को बहुत पसंद हैं।

वजनदार कॉस्टयूम
दीपिका पादुकोण ने करीब 30 किलो का घाघरा पहना था, और कुछ लुक्स में उस घाघरे का घेरा लगभग 50 मीटर तक था।

मंगेतर संग पूल में चिल करती नजर आईं अंशुला कपूर

एक्टर अर्जुन कपूर की बहन और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी अंशुला कपूर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। वजह है उनका लेटेस्ट इंस्टाग्राम वीडियो जिसमें वह अपने मंगेतर रोहन ठक्कर संग पूल में चिल करती नजर आ रही हैं। दोनों के बीच की केमिस्ट्री फैंस को खूब पसंद आ रही है और वीडियो देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोग कपल गोल्स की तारीफ करते नहीं थक रहे। अंशुला ने ये वीडियो रोहन के जन्मदिन के खास मौके पर शेयर किया है। पोस्ट में उन्होंने रोहन के लिए दिल छू लेने वाला नोट भी लिखा।

अंशुला ने लिखा, 'आप मेरे सेफ प्लेस हो, मेरे सबसे बड़े चियरलीडर, मेरे खाने के पार्टनर, मेरी जिंदगी।।। वो जो मुझे ऐसे प्यार करता है जिसने मेरी दुनिया बदल दी।' अंशुला ने आगे बताया कि रोहन उनकी खुशियों को अपनी खुशी की तरह मनाते हैं और मुश्किल वक्त में हमेशा उनके साथ मजबूती से खड़े रहते हैं। वीडियो में अंशुला और रोहन पूल में साथ वक्त बिताते दिख रहे हैं। दोनों एक-दूसरे के साथ मस्ती करते हुए बेहद खुश नजर आ रहे हैं। कपल ने पिछले साल क्रिसमस भी साथ सेलिब्रेट किया था, जिसके खास पलों की झलक भी फैंस को इस पोस्ट में देखने को मिलती है। अंशुला की पोस्ट पर संजय कपूर और महीप कपूर सहित कई सेलेब्स ने प्यार भरे रिएक्शन दिए हैं।

महेश बाबू की फिल्म का टाइटल रिवील

एसएस राजामौली और महेश बाबू की मोस्ट अवेटेड फिल्म का लुक और टाइटल आखिरकार 'ग्लोब टॉटर' इवेंट में रिवील कर दिया गया है। जैसे ही ग्रैंड ग्लोब ट्रॉटर इवेंट का ऐलान हुआ, दर्शक बेसब्री से भारत की अब तक की सबसे बड़ी अनाउंसमेंट देखने का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार वह दिन आ ही गया, और यह इवेंट हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में शानदार अंदाज में शुरू हुआ।

दर्शकों ने एक ऐसा मेगा शो देखा,जो उन्हें कभी नहीं भूलने वाला अनुभव देने का वादा करता है। इस मेगा इवेंट में भारत की अब तक की सबसे बड़ी अनाउंसमेंट पेश की गई। महेश बाबू की इस फिल्म का नाम 'वाराणसी' है। इवेंट फिल्म का छोटा सा टीजर 130 फीट×100 फीट की बड़ी स्क्रीन पर दिखाया गया। नाम बताने के साथ ही एक और बड़ी खबर भी आई कि फिल्म संक्रांति 2027 में रिलीज़ होगी। जब पृथ्वीराज सुकुमारन का कुम्भा के रूप में पहला लुक और प्रियंका चोपड़ा जोनास का मंदाकिनी का दमदार प्रदर्शन सामने आया, तो उत्साह और बढ़ गया। सोशल मीडिया पर यह वीडियो और तस्वीरें छा गईं और पूरे देश में फिल्म का इंतजार बढ़ गया।

क्रिकेटर बनना चाहते थे आदित्य रॉय कपूर

बॉलीवुड के हैंडसम हंक आदित्य रॉय कपूर 16 नंवबर को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। आदित्य बॉलीवुड के हॉट एक्टर्स में से एक है। उन्होंने फिल्म 'लंदन ड्रीम' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। लेकिन आदित्य को पहचान मिली 2003 में रिलीज हुई फिल्म 'आशिकी 2' से।

आदित्य रॉय कपूर स्कूल के दिनों में क्रिकेटर बनना चाहते थे। वह क्रिकेट कोचिंग क्लासेस भी जाते थे। हालांकि, थोड़े दिन बाद उनका इसमें भी मन नहीं लगा। वहीं फिल्मों में कदम रखने से पहले आदित्य फेमस वीजे हुआ करते थे। उन्होंने महज 19 साल की उम्र में बतौर वीजे अपना करियर शुरू किया था। साल 2008 में आदित्य ने वीजे की नौकरी छोड़ दी और फिल्मी दुनिया में करियर बनाने निकल पड़े। आदित्य एक फिल्मी परिवार से तालुक रखते हैं। उनके बड़े भाई सिद्धार्थ रॉय कपूर फेमस निर्देशक है। वहीं उनके दूसरे भाई कुणाल भी एक्टर हैं। आदित्य रॉय कपूर अपने करियर में 22 से ज्यादा फिल्मों और वेब सीरीज में काम कर चुके हैं। वह हाल ही में फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में नजर आए थे।

एयरपोर्ट पर छाया 'भाईजान' का स्टाइल!

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान जब भी किसी जगह स्पॉट होते हैं,सोशल मीडिया पर तस्वीरों की बाढ़ आ जाती है। कुछ ऐसा ही इस बार भी हुआ, हाल ही में सलमान खान को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया,जहां उनका स्वैग देखने लायक था। पॉकेट में हाथ डाले, इंटेंस लुक लिए और सिक्योरिटी से घिरे हुए सलमान का अंदाज बिल्कुल फिल्मी दिखा। सलमान खान इन दिनों अपने 'द बैंग टूर' को लेकर चर्चा में हैं।

कतर में उनकी परफॉर्मेंस के वीडियो हाल ही में खूब वायरल हुए,जिसमें भाईजान पूरे एनर्जी के साथ स्टेज पर धांसू डांस करते दिखे। अब भारत लौटते ही एयरपोर्ट पर उनकी नई तस्वीरें फैंस को दीवाना बना रही हैं। एयरपोर्ट लुक की बात करें तो सलमान खान इस बार ऑल ब्लैक लुक में नजर आए। ब्लैक टीशर्ट, ब्लैक पैंट और उसी अंदाज में पॉकेट में हाथ डालकर चलते हुए, उनका क्लासिक स्वैग साफ झलक रहा था। जैसे ही वो एयरपोर्ट से बाहर निकले, फोटोग्राफर्स की नजरें उन पर टिक गईं। सिक्योरिटी के कड़े घेरे के बीच भी सलमान का स्टार पावर देखते ही बन रहा था।

फैंस उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर शेयर कर रहे हैं और तारीफों के जनकर पुल भी बांध रहे हैं, किस ने उन्हें 'सुपरस्टार' तो 'उन्हें मास्टपीस कहा ' किसी ने उन्हें 'मेगास्टार' कहा, तो किसी ने 'भाईजान का लेवल हाई कह दिया' लिख दिया। इस बीच सलमान गाड़ी में बैठते हुए भी कैमरों की तरफ हल्का सा रिएक्शन देते दिखे, जिसे देखकर फैंस और भी खुश हो गए।

फिलहाल सलमान खान फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं और फैंस के साथ वो ज्यादातर अपनी फिटनेस की फोटोज और वीडियोज शेयर करते रहते हैं। हाल में ही उन्होंने पनी वर्क आउट करते हुए सिक्स पैक एब्स में गजब की तस्वीरें शेयर की थी।

46 साल की एक्ट्रेस का अंदाज देख लोग बोले- 'अभी भी...'

बॉलीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु ने बीते कई साल से फिल्मों से दूरी बनाई हुई है। वह अपनी फैमिली के साथ समय बिता रही हैं,बिपाशा बसु अक्सर अपने पति करण सिंह ग्रोवर और बेटी देवी के साथ क्वालिटी टाइम बिताते नजर आती हैं। अब 46 की एक्ट्रेस अपनी फैमिली के साथ फिर वेकेशन पर है और इसकी झलक दिखाई है। बिपाशा बसु ने अब अपने वेकेशन से अपना एक वीडियो शेयर किया है जो लोगों का ध्यान खींच रहा है,दरअसल, एक्ट्रेस ने हद से ज्याद बोल्ड अंदाज दिखाया है और लोगों के निशाने पर आ गई हैं। बिपाशा बसु का नया वीडियो देखकर उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है। बिपाशा बसु ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर कर अपने तमाम चाहने वाले फैंस का वीकेंड बना दिया है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि वह कैमरे के सामने मोनोकिनी पहने हुए नजर आ रही हैं और ऊपर श्रग पहना हुआ है,इस दौरान बिपाशा बसु ने अपना कर्वी फिगर जमकर फ्लॉन्ट किया है। एक्ट्रेस ने इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'खुद से प्यार करो।' उनका हद से ज्यादा बोल्ड अंदाज फैंस का आहें भरने पर मजबूर कर रहा है।

आर माधवन को शूटिंग सेट पर किस बात से लगता है डर ?

आर माधवन ने फिल्म इंडस्ट्री ही नहीं, बल्कि लोगों के दिलों में भी अपनी खास जगह बनाई है। चाहे तमिल सिनेमा हो या बॉम्बे फिल्म इंडस्ट्री, मणिरत्नम और राजकुमार हिरानी जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ काम करने से लेकर विभिन्न जॉनर की फिल्मों में अपनी प्रतिभा दिखाने तक,उन्होंने हर बार अपना हुनर साबित किया है। आर माधवन साल 2026 में फिल्म इंडस्ट्री में अपने 30 साल पूरे कर लेंगे। हाल ही में अजय देवगन, रकुल प्रीत और मीजान जाफरी के साथ रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आए अभिनेता ने फिल्म के सेट पर होने वाली अपनी एंग्जायटी के बारे में बात की। उन्होंने यह भी बताया कि हर नई फिल्म के साथ उनका यह डर पहले से ज्यादा बढ़ जाता है।

आर माधवन को किस बात का डर है
मिर्ची प्लस के साथ एक बातचीत में उन्होंने अपने डर के बारे में बताया और कहा, 'इन दिनों, जब भी मैं सेट पर जाता हूं, मुझे पहले से ही बहुत बड़ा डर लगता है। पहले दिन मुझे लगता है कि हर कोई मुझे देख रहा है और सोचते हैं... सब खत्म हो गया, मैडी का काम खत्म हो गया या वह अब एक्टिंग नहीं कर सकता। हर फिल्म के साथ यह और खराब होता जा रहा है। मुझे लगता है कि मेरे असिस्टेंट देख रहे हैं और कह रहे हैं कि अब टाइम हो गया है किसी और को जॉइन करने का इसे कुछ नहीं आता है। मेरा वो जो खौफ है न वो हर फिल्म में बढ़ता जाता है।'

आर माधवन ने अजय देवगन की तारीफ
इसी बातचीत में माधवन ने अजय देवगन जैसे सुपरस्टार के साथ काम करने की खुशी भी शेयर की, जिनके साथ उन्होंने पहले हिट फिल्म 'शैतान' और अब 'दे दे प्यार दे 2' में काम किया। उन्होंने कहा, 'जब मैंने उनके साथ शैतान की तो पहले दिन मैंने सोचा... बस उन्हें अकेला छोड़ दो क्योंकि शायद उन्हें बात करना और सब कुछ पसंद नहीं है,लेकिन एक बार जब वह कंफर्टेबल हो जाते हैं तो यह देखना बहुत मजेदार होता है कि वह क्या-क्या शेयर करते हैं। मुझे लगता है कि उन्हें समझने में थोड़ा समय लगता है,लेकिन उनकी मासूमियत और मेरी जिज्ञासा दोनों ही चीजें हमने बनाए रखी हैं और मुझे उन पर बहुत गर्व है।'

फिर छाएगा सलीम-जावेद की 'शोले' का जादू

हिंदी सिनेमा में यूं तो कई ऐसी फिल्में आईं और गई हैं जिन्हें जनता ने खूब प्यार दिया। मगर साल 1975 में आई फिल्म 'शोले' हर किसी के दिल में इस तरह बसी हुई है जिसे कोई निकाल नहीं सकता। फिल्म के आइकॉनिक गाने, डायलॉग्स, सीन्स और किरदार आज भी कहीं ना कहीं इस्तेमाल होते ही हैं। 'शोले' को रिलीज हुए 50 साल बीत चुके हैं। लेकिन आज भी फिल्म पॉप कल्चर में काफी पॉपुलर है। 'शोले' उन फिल्मों में से है,जिसकी लेगेसी को शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। इस फिल्म का जादू थिएटर्स में कैसा था, उसे आज की जेनरेशन तब देख नहीं पाई थी। मगर अब वो इस फिल्म को जल्द बड़े पर्दे पर एक नए अंदाज में देख पाएंगे। डायरेक्टर रमेश सिप्पी ने अनाउंस किया है कि उनकी कल्ट-क्लासिक फिल्म 'शोले: द फाइनल कट' 4k वर्जन में रिलीज होने वाली है, जो इसका ओरिजिनल अनकट वर्जन भी होगी। यानी फिल्म में हमें वो सभी डिलीटेड सीन्स दिखाई देंगे, जो 1975 में आई 'शोले' से हटा दिए गए थे। मेकर्स ने इसका पोस्टर भी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए शेयर किया, जिसमें हमें ठाकुर और गब्बर सिंह की झलक दिखती है। फिल्म की रिलीज डेट 12 दिसंबर, 2025 रखी गई है। फिल्म 'शोले' की खासियत यूं तो कई सारी थीं। अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र का जय-वीरू बनकर पर्दे पर पक्की दोस्ती दर्शाना, हेमा मालिनी का चुलबुला अंदाज, और गब्बर सिंह का खूंखार अवतार, ये सभी इस फिल्म की कुछ हाईलाइट्स हैं। इन्हीं के साथ सूरमा भोपाली, धन्नो और कालिया जैसे नाम भी शामिल हैं, जिन्हें ऑडियंस अभी तक याद रखती है।

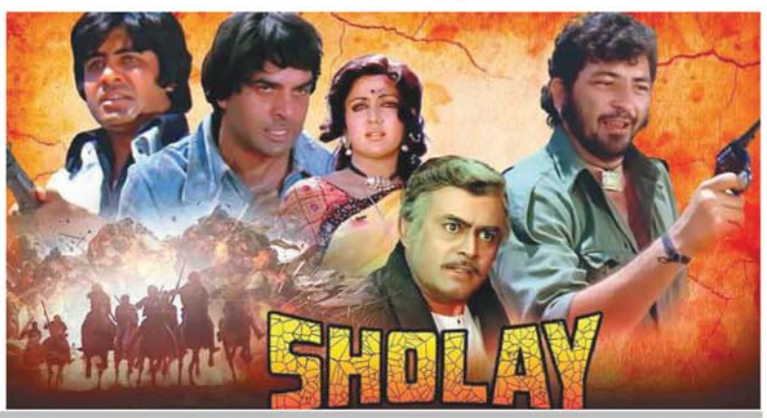

डबल्यूकॉमर्स बिना निवेश के बिजनेस प्रदान करता है

नईदिल्ली। हैदराबाद स्थित डिजिटल कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म, डबल्यूकॉमर्स, पूरे भारत में व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों को शून्य निवेश और शून्य स्टॉक के साथ ऑनलाइन स्टोर शुरू करने में सक्षम बना रहा है। किराना दुकानदारों से लेकर कंटेंट क्रिएटर्स और होम बेस्ड एंटरप्रेन्योर्स तक, कोई भी व्यक्ति अपना स्टोर शुरू कर सकता है और बिना इन्वेंट्री या लॉजिस्टिक्स संभाले हर ऑर्डर पर 20-40 प्रतिशत का लाभ कमा सकता है। डबल्यूकॉमर्स हर यूज़र को एक तैयार ऑनलाइन स्टोर प्रदान करता है। स्टोर मालिक अपने स्टोर का लिंक या क्यूआर कोड ग्राहकों के साथ साझा कर सकते हैं, सोशल मीडिया पर उसका प्रचार कर सकते हैं, या बार-बार आने वाले खरीदारों पर भरोसा कर सकते हैं। कंपनी प्रोडक्ट की सोर्सिंग, डिलीवरी, रिटर्न और कस्टमर सपोर्ट को मैनेज करती है, जिससे सेलर केवल प्रमोशन और कमाई पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

डब्ल्यूकॉमर्स के को-फाउंडर और सीओओ श्रीधर श्रीरामनेनी ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म ने पूरे भारत में 22,000 से ज़्यादा ऐक्टिव ऑनलाइन स्टोर्स को पार कर लिया है। उन्होंने कहा, हमने 40 से ज़्यादा विश्वसनीय ब्रांड्स के साथ पार्टनशिप की है और हेल्थ, वेलनेस, ब्यूटी, पर्सनल केयर, घरेलू ज़रूरी सामान और पालतू जानवरों की देखभाल जैसी श्रेणियों में 600 से ज़्यादा क्यूरेटेड प्रोडक्ट्स जोड़े हैं। ये ब्रांड क्वालिटी और मज़बूत प्रोडक्ट रिसर्च के लिए जाने जाते हैं।

यह प्लेटफॉर्म अब तीन प्रमुख प्रकार के स्टोर मालिकों को आकर्षित कर रहा है -

किराना स्टोर, जो बिना स्टॉक किए अधिक प्रोडक्ट उपलब्ध कराने के लिए डब्ल्यूकॉमर्स के डिजिटल शेल्फ का उपयोग करते हैं।

रजिस्ट्रेशन के लिए आखिरी मौका: XAT 2026 - 5 दिसम्बर 2025 तक करें आवेदन

ज़ेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट (XAT) 2026, भारत की सबसे भरोसेमंद मैनेजमेन्ट प्रवेश परीक्षाओं में से एक है, इस परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम दिनांक 5 दिसम्बर 2025 नज़दीक आ रही है। वे उम्मीदवार जो देश 250 से अधिक प्रतिष्ठित संस्थानों में एमबीए/पीजीडीए करना चाहते हैं, वे अंतिम दिनांक से पहले अपना आवेदन पूरा कर सकते हैं। XAT 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन 10 जुलाई 2025 से शुरू हुआ था, हज़ारों उम्मीदवार पहले से पंजीकरण कर चुके हैं। अब उल्टी गिनती जारी है, इसलिए जल्द से जल्द ऑनलाइन फॉर्म भरें, ज़रूरी दस्तावेज़ अपलोड करें, परीक्षा के शहर को लेकर अपनी प्राथमिकता दें, और अंतिम दिनांक से पहले शुल्क जमा कर आवेदन प्रक्रिया पूरी करें। अगर आप अंतिम दिनांक से पहले अपना रजिस्ट्रेशन पूरा नहीं करते हैं तो आप 4 जनवरी 2026 (दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक) को होने वाली परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे। योग्यता के मानदंड/ कौनसे उम्मीदवार दे सकते हैं परीक्षा XAT 2026 के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी से किसी भी विषय में कम से कम तीन साल के कोर्स की बैचलर डिग्री होनी चाहिए। फ़ाइनल-ईयर के छात्र भी आवेदन कर सकते हैं। इस परीक्षा के लिए न्यूनतम प्रतिशतता अनिवार्य नहीं है, लेकिन उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि एमबीए/पीजीडीएम संस्थान के अपने अकादमिक योग्यता मानदंड हो सकते हैं।

इंश्योरेंस अवेयरनेस कमिटी (आईएसी-लाइफ) ने बीमा ग्राम एपीआई की सराहना की, ग्रामीण बीमा कवरेज को मजबूत करने में इसकी क्षमता को स्वीकारा

मुंबई: इंश्योरेंस अवेयरनेस कमिटी (आईएसी-लाइफ) बीमा ग्राम एपीआई पर भरोसा कर रही है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में बीमा प्रसार को बदलने वाली साबित हो सकती है। इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईआरडीएआई) द्वारा हाल ही में लॉन्च किया गया बीमा ग्राम एपीआई, ग्रामीण भारत में बीमा कवरेज डेटा को सरल और प्रमाणित करने के लिए एक अग्रणी डिजिटल पहल है। यह नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) द्वारा मिनिस्ट्री ऑफ पंचायती राज (एमओपीआर), डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट्स (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन पोस्टल टेक्नोलॉजी- सीईपीटी द्वारा प्रतिनिधित्व) और इंश्योरेंस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो ऑफ इंडिया (आईआईबीआई) के सहयोग से विकसित किया गया है। इस हस्तक्षेप में एक डेटाबेस और एक एपीआई (एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) शामिल है। बीमा ग्राम एपीआई डाक पिन कोड को लोकल गवर्नमेंट डायरेक्टरी (एलजीडी) कोड से जोड़ता है, जिससे ग्रामीण पहचान के लिए एक एकीकृत, सत्यापित डेटाबेस बनता है। बीमा ग्राम एपीआई के माध्यम से, बीमा कंपनियां अब ग्राहक के डाक पिन कोड को केवल दर्ज करके संबंधित ग्राम पंचायत (जीपी) का नाम प्राप्त कर सकती हैं, जिससे पॉलिसी के ग्रामीण स्थान की तत्काल डिजिटल सत्यापन सुनिश्चित होता है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बीमा प्रसार को तेज करने के लिए, आईआरडीएआई ने बीमा कंपनियों के लिए रूरल एंड सोशल (आरयूएसओ) अनिवार्यताएं जारी की हैं।

चीन से नोट छपवा रहे भारत के 5 पड़ोसी देश

नेपाल ने 43 करोड़ नोट प्रिंटिंग का टेंडर दिया; सस्ती छपाई से अमेरिका-ब्रिटेन का बाजार छीन रहा

वॉशिंगटन डीसी , एजेंसी। भारत के अधिकांश पड़ोसी देशों की तरह ही नेपाल भी अब अपनी करेंसी प्रिंटिंग के लिए चीन का रुख कर रहा है। नेपाल राष्ट्रीय बैंक ने 7-8 नवंबर को 1000 रुपए के 43 करोड़ नोटों की प्रिंटिंग के लिए एक टेंडर जारी किया था।

इस टेंडर को चीन की एक कंपनी ने जीत लिया है। इसके बाद नेपाली बैंक ने चाइना सीबीपीएमसी को टेंडर दे दिया। 1945 से 1955 तक नेपाल के सभी नोट भारत की नासिक स्थित सिक्योरिटी प्रेस में छपे और उसके बाद भी भारत ही मुख्य साझेदार बना रहा।

हालांकि, 2015 में नेपाल राष्ट्रीय बैंक (एनआरबी) ने वैश्विक टेंडर के जरिए चाइना बैंक नोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन को कॉन्ट्रैक्ट दे दिया, जिसके बाद नेपाल के ज्यादातर नोट चीन में ही छपने लगे।

नेपाल के अलावा श्रीलंका, मलेशिया, बांग्लादेश, थाईलैंड भी अपनी करेंसी चीन में छपवाते हैं। पिछले कुछ सालों में चीन एशियाई देशों की करेंसी का बड़ा केंद्र बन चुका है। इससे अमेरिका-ब्रिटेन के मुद्रा छापने वाले बाजार पर नेगेटिव असर पड़ रहा है।

बांग्लादेश 2010, श्रीलंका 2015 से चीन में करेंसी छपवा रहा: बांग्लादेश की टका मुद्रा 2010 से चीन में छप रही है, जहां

कम लागत और उन्नत सुरक्षा फीचर्स ने इसे बढ़ावा दिया है।

श्रीलंका की रुपया 2015 के बाद से मुख्य रूप से चीन पर निर्भर है। अफगानिस्तान ने भी 2000 के दशक से अपनी अफगानी मुद्रा के लिए चीन को चुना।

थाईलैंड-मलेशिया भी चीन में सस्ती प्रिंटिंग का लाभ ले रहे: साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के पड़ोसियों में थाईलैंड और मलेशिया भी चीन में नोट छपवा रहे हैं। थाईलैंड 2018 से मुद्रा छपवा रही है। मलेशिया की रिंगिट (मुद्रा) भी 2010 के बाद से चीन में शिफ्ट हुई, जहां पॉलीमर-आधारित नोटों की प्रिंटिंग ने नकली नोटों को 50 प्रतिशत कम किया।

मनी कंट्रोल की 2025 रिपोर्ट के मुताबिक, ये चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत आर्थिक लाभ के लिए चीन की ओर मुड़े, जबकि भारत की सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन से दूरी बना ली। हालांकि, भूटान अभी भी भारत पर निर्भर है। उसकी मुद्रा नासिक प्रेस में छपती है। लेकिन हालिया चर्चाओं में भूटान ने भी चीन के साथ सहयोग की संभावना जताई है।

पाकिस्तान अपनी प्रेस में करेंसी प्रिंट करता: वहीं, पाकिस्तान अपनी करेंसी घरेलू प्रेस में प्रिंट करवाता है, लेकिन कुछ रिपोर्ट्स में चीन के साथ सहयोग का जिक्र है। इकोनॉमिक टाइम्स (2018) के अनुसार, पाकिस्तान ने कभी-कभी चीन बैंकनोट प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन से तकनीकी सहायता ली है। हालांकि, पूरी तरह से आउटसोर्सिंग की पुष्टि नहीं हुई है। दूसरी ओर म्यांमार ने 2020 के तख्तापलट के बाद अपनी मुद्रा के लिए चीन पर अधिक निर्भरता बढ़ाई है, जहां राजनीतिक अस्थिरता ने विदेशी प्रिंटिंग को जरूरी बनाया।

चीन का सीबीपीएमसी दुनिया का सबसे बड़ा करेंसी प्रिंटर: यह देश चीन में नोट छापने का फैसला आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक लाभों के लिए ले रहे हैं। सबसे बड़ा फायदा बचत है। नेपाल ने 2016 में 1000 रुपए के नोट छापने पर अमेरिकी फर्मों की तुलना में 3.76 मिलियन डॉलर बचाए। चीन का सीबीपीएमसी दुनिया का सबसे बड़ा मुद्रा प्रिंटर है (18,000 से अधिक कर्मचारी, 10 सुरक्षित फैसिलिटी)। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, ये देश नेपाल की तरह ही चीन की कोलोरडांस तकनीक और 30-40 प्रतिशत कम लागत से फायदा उठा रहे हैं।

क्यों करेंसी प्रिंट कराने ज्यादातर देश चीन का रुख कर रहे?: ज्यादातर देश चीन की कोलोरडांस तकनीक के कारण उसका रुख कर रहे हैं। चीन की कोलोरडांस तकनीक एक ऑप्टिकल एंटी-काउंटरफिटिंग फीचर है, जो मुख्य रूप से करेंसी नोट्स (बैंकनोट्स) की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए विकसित की गई है। यह एक प्रकार की होलोग्राफिक सिक्योरिटी थ्रेड या निशान है, जो नकली नोटों को रोकने में प्रभावी होती है। यह नोट पर माइक्रो-नैनो स्ट्रक्चर्स (बहुत छोटे निशान) का इस्तेमाल करती है। इससे नोट को झुकाने या घुमाने पर 3डी मार्क दिखते हैं। ये मार्क नकली नोटों में उतारना बहुत मुश्किल होता है।

क्या इससे अमेरिका-ब्रिटेन का बाजार कम हो रहा है?: चीन के कम लागत वाले मॉडल से अमेरिका और ब्रिटेन के मुद्रा छापने वाले बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। हालांकि, यह सिर्फ विकासशील देशों तक सीमित है। विकसित देश अपनी मुद्रा खुद छापते हैं। चीन की कीमतें अमेरिका और ब्रिटेन की तुलना में 50 प्रतिशत कम हैं, जबकि गुणवत्ता समान है। इससे विकासशील देश पश्चिमी कंपनियों से दूर हो रहे हैं। अगर यह ट्रेंड जारी रहा, तो पश्चिमी कंपनियों को कीमतें कम करनी पड़ सकती हैं या नई तकनीक (जैसे पॉलीमर नोट्स) पर फोकस करना पड़ेगा।

इथियोपिया में मारबर्ग वायरस की दस्तक, नौ मामलों की पुष्टि

अदीस अबाबा , एजेंसी। पूर्वी अफ्रीकी देश इथियोपिया में मारबर्ग वायरस के नौ मामले सामने आए। ओमो क्षेत्र में संक्रमित पाए गए, जो दक्षिण सूडान की सीमा के पास है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस अधानोम ने कहा कि इथियोपियाई स्वास्थ्य एजेंसियों ने तेज और पारदर्शी कार्रवाई की, जिससे प्रारंभिक चरण में ही वायरस फैलने को रोका जा सके।

पूरी दुनिया अभी कोरोना वायरस जैसी महामारी को भुला भी नहीं पाई है कि अब एक और ऐसे वायरस ने दस्तक दी है। इस वायरस का नाम मारबर्ग है, जिसका पहला मामला पूर्वी अफ्रीकी देश इथियोपिया से सामने आया है। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार इथियोपिया में पहली बार मारबर्ग वायरस रोग के मामलों की पुष्टि की है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार ओमो क्षेत्र में नौ लोग संक्रमित पाए गए हैं, यह इलाका दक्षिण सूडान की सीमा के पास है। यह पुष्टि तब हुई जब स्वास्थ्यकर्मियों ने कुछ मरीजों में वायरल हेमोरेजिक बुखार से जुड़े लक्षण देखे। मामले में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम ने शुक्रवार को कहा कि इथियोपिया की स्वास्थ्य एजेंसियों ने तेज और पारदर्शी कदम उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि जल्दी की गई कार्रवाई इस बात को दर्शाती है कि देश गंभीरता से इस संकट को प्रारंभिक चरण में ही काबू में करने के लिए काम कर रहा है।

430 ड्रोन-18 मिसाइलें! रूस का यूक्रेन पर अब तक का सबसे घातक हमला, कीव में 6 की मौत व 35 घायल

मास्को, एजेंसी। रूस द्वारा शुक्रवार तड़के यूक्रेन पर किए गए मिसाइल और ड्रोन हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि देश भर में हुए इस हमले में कम से कम 430 ड्रोन और 18 मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने बताया कि देश के अन्य क्षेत्रों में हुए इस हमले का निशाना कीव था। जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा, ÷यह सुनियोजित हमला लोगों और आम नागरिकों को यथासंभव अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया था। उन्होंने बताया कि हमला इतना जोरदार था कि मिसाइल के टुकड़ों से अजरबैजान दूतावास क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि हमलों में छह लोगों की मौत हो गई और एक गर्भवती महिला समेत कम से कम 35 लोग घायल हो गए। मॉस्को ने असैन्य क्षेत्रों को निशाना बनाए जाने से इनकार किया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने यूक्रेन के ''सैन्य-औद्योगिक और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर रात में हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों ने इन दावों को खारिज किया और आवासीय परिसरों एवं सार्वजनिक भवनों को हुए नुकसान को दर्शाया। दार्नित्स्की जिले में मलबा एक आवासीय इमारत के प्रांगण और एक शैक्षणिक संस्थान के परिसर में गिर गया। गिरते हुए मलबे की चपेट में आने से

एक कार में आग लग गई।

दिनप्रोव्स्की जिले में हमले के कारण तीन अपार्टमेंट, एक घर और खुले क्षेत्र में आग लग गई। हमले से पोदिल्स्की जिले में पांच आवासीय और एक गैर-आवासीय भवन क्षतिग्रस्त हो गए। शेवचेंकोव्स्की जिले में जलता मलबा गिरने से एक खुले क्षेत्र और गैर-आवासीय भवन में आग लगी। होलोसीव्स्की जिले में हमले की वजह से एक अस्पताल में आग लग गई और एक गैर-आवासीय भवन को नुकसान पहुंचा। देस्नियान्स्की और सोलोमियान्स्की जिलों में हमलों के बाद रिहायशी इमारतों में आग लग गई, वहीं सवियातोशिन्स्की जिले में एक निजी घर में आग लग गई। क्षेत्रीय प्रमुख मायकोला कलाश्निक ने बताया कि कीव क्षेत्र में रूसी हमलों से महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और घरों को नुकसान पहुंचा, जिससे कम से कम एक नागरिक घायल हो गया। उन्होंने बताया कि बिला त्सेरकवा में 55 वर्षीय व्यक्ति को झुलसने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया।

नई जंग की आहट! चीन ने दुनिया का सबसे बड़ा जंगी बेड़ा कर लिया तैयार

234 युद्धपोतों के साथ 'सिचुआन' का समुद्री परीक्षण शुरू

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया में नई जंग की आहट तेज होती दिख रही है। चीन ने 234 युद्धपोतों के विशाल नौसैनिक बेड़े के साथ अपने सबसे उन्नत जंगी जहाज 'सिचुआन' का समुद्री परीक्षण शुरू कर दिया है। ईएमएएलएस तकनीक से लैस यह जहाज लड़ाकू विमान और ड्रोन ऑपरेट करने की क्षमता रखता है। इस कदम ने ताइवान, अमेरिका और जापान की सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है, क्योंकि यह चीन की भारत-प्रशांत में बढ़ती सैन्य आक्रामकता का नया संकेत माना जा रहा है। चीन ने लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन को संचालित करने के लिए शुक्रवार को विद्युत चुम्बकीय विमान प्रक्षेपण प्रणाली से

लैस एक बड़े जंगी जहाज सिचुआन का समुद्री परीक्षण शुरू किया।

चीनी नौसेना ने यह जानकारी दी। सशस्त्र संघर्ष के दौरान दुश्मन के इलाकों तक पहुंचने और थल सेना की मदद के लिए इस तरह के जहाजों का उपयोग किया जाता है। यह परीक्षण इस महीने की शुरुआत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा देश के तीसरे विमानवाहक पोत, फुजियान, के जलावतरण के बाद हुआ है। नयी तरह का विमानवाहक पोत ईएमएएलएस से लैस सबसे आधुनिक युद्धपोत बताया जा रहा है। ईएमएएलएस का इस्तेमाल केवल अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड द्वारा किया जाता है। आधिकारिक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सिचुआन ऐसा पहला जहाज है जो ईएमएएलएस से लैस है और यह जहाज बिजली से संचालित होता है। ईएमएएलएस, विमानवाहक जहाज पर विमानों के उतरने और उड़ान भरने की प्रक्रिया में तेजी ला सकता है। रक्षा विश्लेषकों का कहना है कि यह जहाज चीनी सैन्य बलों को ताइवान तट पर तेज़ी से पहुंचने में मदद कर सकता है। चीन, ताइवान के अपना हिस्सा होने का दावा करता रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के कारण, चीन विभिन्न वैश्विक समुद्री मार्गों पर परिचालन के लिए और अधिक विमानवाहक पोत बना सकता है।

ग्लोबल चैरिटी विगन्युअरी ने अपना फ्री कोर्स हिंदी में लॉन्च किया

भारत में वीगनिज्म की बढ़ती लोकप्रियता के साथ, ग्लोबल चैरिटीविगन्युअरी ने अपना फ्री कोर्स हिंदी में लॉन्च किया है सुपरस्टार अमिताभबच्चन द्वारा केबीसी सीज़न 17 में एक वीगन की तारीफ करना इस बातका संकेत है कि भारत में वीगनिज्म मुख्यधारा में आ गया है। क्या आपवीगन खाने में उत्सुक हैं, लेकिन नहीं जानते कि कहां से शुरू करें? नवंबरविश्व वीगन माह है, और यह वीगन खाना आज़माने का सबसे अच्छामौका है। यह आंदोलन भारत में लोकप्रियता पा रहा है, लोग बेहतरस्वास्थ्य, पर्यावरण और जानवरों की सुरक्षा के लिए अधिकपौधे-आधारित भोजन चुन रहे हैं। विगन्युअरी के भारत निदेशक प्रशांत विश्वनाथ कहते हैं, 'कई अध्ययनों मेंपाया गया है कि सब्जियों, फ्लों, साबुत अनाज, दालों और नट्स से भरपूरपौधे-आधारित आहार का पालन करने वालों में गैर-पौधे-आधारित आहारका पालन करने वालों की तुलना में हृदय रोग विकसित होने का जोखिमकाफी कम था। इसी तरह, कई अध्ययनों ने दिखाया है कि इस प्रकार केस्वस्थ पौधे-आधारित आहार का पालन करने वाले लोगों में टाइप 2 मधुमेह विकसित होने का जोखिम कम था।' फिल्म स्टार, पेशेवर एथलीट और पर्वतारोहियों सहित दस प्रसिद्ध भारतीयव्यक्तित्व विगन्युअरी के समर्थक हैं और अपनी वीगन जीवनशैली से लोगोंको प्रेरित कर रहे हैं। अभिनेता और प्रो-बास्केटबॉल खिलाड़ी अरविंदकृष्ण यह सलाह साझा करते हैं- 'बहुत से लोग मुझसे पूछते हैं कि क्यामेरा खाना महंगा है क्योंकि मैं वीगन खाता हूं। मैं उन्हें बताता हूं कि वीगनखाने से सरल कुछ भी नहीं है। हम इन्हें अपने घरों में नियमित रूप से खातेहैं- इडली, वड़ा, सांभर, पप्पू, चावल और दाल जैसी चीजें। पोहा और टेम्पेमेरे आहार के मुख्य हिस्से हैं।

मुझे इन खाद्य पदार्थों से अपना सारा प्रोटीनमिलता है, और यह मांस खाने से बहुत सस्ता है।' एडवेंचर स्पोर्ट्स के शौकीनों के लिए, दो बार माउंट एवरेस्ट चढ़ने वालेकुंतल जोइशर की सलाह बहुत उपयोगी है। वे कहते हैं 'सक्रिय रहना, फिट रहना और स्वस्थ रहना अच्छा खाने, वर्कआउट करने, रिकवरी औरपर्याप्त नींद लेने पर निर्भर है।

मैं लगभग 14 सालों से दुनिया भर में पहाड़ोंपर चढ़ रहा हूं, और पिछले 4 सालों से बॉडीबिल्डर हूं। वीगन आहार मेरेवहां पहुंचने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। पौधों में दुनिया का साराप्रोटीन है।' कुंतल ने नई प्लांट-प्रोटीन कुकबुक में अपनी पसंदीदा रेसिपीभी योगदान दी है, जो कोर्स के लिए साइन अप करने पर मुफ्त में उपलब्धहै। विगन्युअरी- वैश्विक एनजीओ जो लोगों को जनवरी और उसके बाद भीवीगन आज़माने में मदद करती है- ने अपना मुफ्त 1-महीने का कोर्स हिंदीमें लॉन्च किया है, ताकि इसे और भी अधिक भारतीयों के लिए उपलब्धकराया जा सके। केवल पिछले साल, कम से कम 1,38,000 भारतीयों नेविगन्युअरी में भाग लिया और एक महीने के लिए वीगन खाने का संकल्पलिया। प्रशांत आगे कहते हैं, 'हमने भारत में अपने मुफ्त कोर्स 4 साल पहले शुरूकिए थे, और आज तक, लगभग 4 लाख भारतीयों ने अंग्रेजी कोर्स लियाहै। हम देखते हैं कि हिंदी भाषी क्षेत्रों से बहुत रुचि है, और रायपुर शीर्ष 10 शहरों में से एक है।

ग्लोब एंटरप्राइजिस लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के मजबूत परिणाम घोषित किए, PAT 220 प्रतिशत बढ़कर 446 लाख पहुंचा

देश में कपड़ा, डेनिम और होम टेक्सटाइल के प्रमुख निर्माता ग्लोब एंटरप्राइजिस (इंडिया) लिमिटेड ने सितंबर-2025 में समाप्त तिमाही और अर्धवार्षिक वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। कंपनी ने इस अवधि में मजबूत परिचालन प्रदर्शन और निरंतर कारोबारी गति दर्ज की है।

- वित्तीय हाइलाइट्स : (वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए)

आय : कंपनी ने दूसरी तिमाही (सितंबर-2025) में 15,856.26 लाख की आय दर्ज की है, जो पिछली तिमाही (जून 2025) की 14,844.87 लाख की तुलना में 6.81त्न की वृद्धि दर्शाती है।

कर के बाद लाभ (PAT):

दूसरी तिमाही (सितंबर-2025) में PAT 446.38 लाख रहा, जो पिछली तिमाही (जून 2025) के 139.52 लाख की तुलना में 219.94त्न की मजबूत बढ़ोतरी दिखाता है। यह सुधार बेहतर मार्जिन और उच्च परिचालन दक्षता से संभव हुआ है।

ग्लोब एंटरप्राइजिस (इंडिया) लिमिटेड के प्रबंध निदेशक भाविक परिख ने कहा कि तिमाही और अर्धवार्षिक अवधि के हमारे मजबूत वित्तीय परिणाम कंपनी की परिचालन दक्षता और बाजार विस्तार पर हमारे विशेष फोकस को दर्शाते हैं। लागत दबावों के बावजूद, हमने प्रमुख उत्पाद सेगमेंट्स में स्वस्थ लाभप्रदता और आय वृद्धि हासिल की है। मांग की स्थिति में सुधार के साथ, हमें आने वाली तिमाहियों में विकास की गति बनाए रहने का भरोसा है।

निदेशक मंडल ने कंपनी का नाम ग्लोब टेक्सटाइल्स (इंडिया) लिमिटेड से बदलकर ग्लोब एंटरप्राइज (इंडिया) लिमिटेड करने की मंजूरी दी है। कंपनी के प्रमोटर श्री भाविक सूर्यकांत परिख ने 12 नवंबर, 2025 को ?1,28,56,450 मूल्य के 45,00,000 इक्विटी शेयर खरीदकर कंपनी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और मजबूत की है।

यह रणनीतिक निवेश कंपनी के दीर्घकालिक विकास और भविष्य के प्रदर्शन के प्रति उनके विश्वास को दर्शाता है।

महाराष्ट्र में कंपनी की मौजूदगी मजबूत करने के लिए बोर्ड ने मुंबई में एक नई वर्चुअल ब्रांच ऑफिस खोलने की भी स्वीकृति दी है। एमडी भाविक परिख के अनुसार, यह वर्चुअल ऑफिस हमारी व्यावसायिक गतिविधियों को मजबूत करेगी, ग्राहक जुड़ाव बढ़ाएगी और मुंबई व आसपास के क्षेत्रों में बाजार पहुंच को विस्तार देगी।

बिर्रा में कर्ष परिवार द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का षष्ठ दिवस

रुक्मणी विवाह का दिव्य वर्णन

बिर्रा (समय दर्शन)। ग्राम बिर्रा में कर्ष परिवार द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के षष्ठ दिवस का आयोजन भक्ति भाव एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ। कथा वाचक आचार्य पं. राजेन्द्र महाराज (टेमर, शक्ति) ने इस दिन भगवान श्रीकृष्ण और देवी रुक्मणी के पावन

रुक्मणी विवाह प्रसंग का सुन्दर और भावपूर्ण वर्णन किया।

कथा के दौरान आचार्य महाराज ने बताया कि किस प्रकार रुक्मणी जी ने भगवान श्रीकृष्ण को अपना आराध्य मानकर उनके साथ विवाह का संकल्प लिया। उन्होंने भक्तों को रुक्मणी जी द्वारा लिखे गए प्रेमपूर्ण पत्र, श्रीकृष्ण द्वारा कुशलनीतिपूर्वक रुक्मणी हरण, तथा अंततः भव्य दिव्य विवाह समारोह की कथा का रसपूर्ण वर्णन किया।

कथा स्थल पर उपस्थित श्रद्धालु कृष्णङ्करुक्मणी विवाह प्रसंग की मधुर घटनाओं में भाव-विभोर हो उठे। संगीतमय भजनों ने पूरे माहौल को और भी भक्तिरस से सराबोर कर दिया।

कर्ष परिवार द्वारा प्रतिदिन की तरह कथा व्यवस्था, श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएँ और भजन मंडली का गायन सराहनीय रहा।मुख्य बड़ी संख्या मेंआज कि कथा में मुख्य यजमान छतबाई-अनंदराम कर्ष, रजनी राजकमल कर्ष,किर्तन वैष्णव, संजय अग्रवाल, हीरा कर्ष , शत्रुहन बरेठ, ज्ञानचंद देवांगन, रितेश देवांगन, कमलकिशोर बरेठ, गौतम कश्यप, कुलदीप कश्यप, उमाशंकर, राजेश, देवचंद, अजय कश्यप, लालू, पंचराम कश्यप, कुलकीत साहू, विक्रम सिह, देवेंद्र नामदेव, सुमीत कर्ष, सौरभ यादव, शुभम कर्ष, मनोज , कुणाल, विजेन्द्र, राजू कर्ष, क्रांति कश्यप चमरू कर्ष, जीवन साहू, संजू साहू, सुरेश कर्ष ग्रामीणजन, भक्तगण एवं कथा प्रेमियों ने षष्ठ दिवस की कथा में उपस्थितज रहकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

खबर-खास

बेमेतरा महाविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया आनंद मेला

साजा (समय दर्शन)। शासकीय पंडित जवाहरलाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेमेतरा में शनिवार को आनंद मेला आयोजित की गई। यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. वीणा त्रिपाठी के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बतौर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में कला, रचनात्मक और नवाचार के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाना रहा। महाविद्यालय ने आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया कि शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास के अवसर प्रदान करना ही शिक्षा का महत्व है। सभी संकाय के विद्यार्थियों ने आनंद मेला में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और 40-50 विभिन्न प्रकारों के स्वादिष्ट व्यंजनों का स्टॉल लगाएं थे। विद्यार्थियों ने आनंद मेला में विभिन्न प्रकारों के आकर्षकमय भी लगाए रहे। जिनमें ' क्रोशिया हैंडमेड आर्ट) , फेटो स्कैच, सेल्फी जोन (छत्तीसगढ़ी वेशभूषा),कफफेफ सैंडविच,स्प्रॉउट,मिक्स फ्रूट, चाइनीज व्यंजन, छत्तीसगढ़ी व्यंजनों ने समां बांधा। स्टॉलो पर लम्बी कतारें छात्र-छात्राओं की उत्सुकता की प्रमाण थी। आनंद मेला में मनोरंजन खेल भी आयोजित किया गया। प्राचार्या डॉ त्रिपाठी ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया। अन्य मनोरंजन प्रतियोगिताएं भी आयोजित किए गए जिनमें, पहेली प्रतियोगिता,मटकी फोड़, कप संतुलन और अन्य गतिविधियां शामिल थी। पजल,बॉल थ्रो, मटकी फोड़ जैसे खेलों ने विद्यार्थियों में जोश भरा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ डी आर साहू ने की। अपने उद्बोधन में उन्होंने बच्चों को ईमानदारी, अनुशासन और मेहनत को जीवन का मूल मंत्र बनाने की सलाह दी। कार्यक्रम निर्णायक डॉ डी. डी. द्विवेदी,डॉ एस बघेल, श्वेता साहू,चंदन गुप्ता,व्हाई.के जांगड़े व महाविद्यालय के समस्त विभागों के प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक समेत छात्र-छात्राएं की उपस्थित रहे।

नल कनेक्शन काटने की कार्रवाही से निगम की राजस्व वसूली में तेजी

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर निगम द्वारा चलाये जा रहे वसूली अभियान के तहत विगत चार दिनों से वसूली कर्मचारियों की टीम लोगों के घरोघर जाकर नल कनेक्शन काटने की चेतावनी व कई मकानों के नल कनेक्शन काटकर विभिन्न करों की राशि वसूली की।

इस दौरान जिन लोगों के बकाया टैक्स की राशि वसूली की गई उनमें 19223/-महेश यादव वार्ड 05, 51347/-उषा गजेंद्र वार्ड 05, 15180/-लीला देवी सुराणा वार्ड 06, 14000/-राधेश्याम शर्मा से वसूल किया गया। इसके अलावा नल कनेक्शन कटने के भय से कुल 102577 जमा किया गया।

वार्ड 05 मे भगवती सोनी का कनेक्शन काटा गया. जिन पर 63852/- बकाया होने के कारण.साथ ही वार्ड नंबर 06 में 41678 रूपये नल कनेक्शन विच्छेदन के दौरान वसूल किया गया। टेक्स वसूली की यह कार्रवाई लगातार जारी है। उक्त कारवाही के दौरान राजस्व अधिकारी आर. के. बोरकर, सहायक राजस्व अधिकारी थान सिंह यादव राजस्व उप निरीक्षक संजय मिश्रा एवं सहायक राजस्व निरीक्षक उमेश यादव उपस्थित थे।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अजय कुमार पाण्डेय,पिता श्री स्व. ओंकार नाथ पाण्डेय निवासी 46/5,नेहरू नगर (ईस्ट) भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) है।

यह शपथ करता हूं कि मेरा नाम कुछ शासकीय/ अर्ध शासकीय दस्तावेजों में अजय पाण्डेय दर्ज हो गया है। अजय कुमार पाण्डेय एवं अजय पाण्डेय एक ही व्यक्ति हैं।

अजय कुमार पाण्डेय
S/0 ओंकार नाथ पाण्डेय
46/5 नेहरू नगर(ईस्ट)
भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार बसना, जिला महासमुंद (छ.ग.)

//उद्घोषणा //

क्रमांक/ 256 क / वाचक / तह. / 2025
बसना, दिनांक 11/11/2025

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक श्रीमती दामिनी अग्रवाल पति श्री निलेश अग्रवाल निवासी बसना प.ह.नं. 34 रा.नि.मं. बसना तहसील बसना जिला महासमुन्द छ.ग.द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक द्वारा ग्राम बसना में भूमि खसरा नंबर 112 / 5 का तुकड़ा रकबा 2000 वर्गफुट भूमि विक्रेता / अनावेदक श्रीमती बबिता अग्रवाल पति श्री प्रमोद अग्रवाल निवासी बसना से पंजीकृत बैनामा के आधार पर दिनांक 22.05.2018 में क्रय किया गया था। उक्त भूमि का आवेदक द्वारा संपूर्ण राशि अनावेदक को प्रदाय कर आवेदक काश्त काबिज है। उक्त भूमि को पंजीकृत बैनामा के आधार पर अनावेदक का नाम विलोपित कर आवेदक के नाम पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः आवेदक के आवेदन अनुसार ग्राम बसना में स्थित भूमि से विक्रेता का नाम विलोपित कर आवेदक का नाम दर्ज किये जाने से जिस किसी संस्था / व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे दिनांक- 27.11.2025 तक न्यायालय में उपस्थित होकर दावा पेश कर सकते हैं, बाद में प्राप्त दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
बसना

कब्बडी के ट्रायल में बच्चों ने दिखाए दम, जिला कब्बडी संघ का आयोजन, चयनित बच्चे राज्य स्तरीय स्पर्धा में होंगे शामिल

पाटन (समय दर्शन)। जिला कबड्डी संघ दुर्ग द्वारा राज्य स्तरीय स्पर्धा हेतु चयन स्पर्धा का आयोजन मुड़पार में किया गया। जिसमें सभी जिला के बच्चे शामिल हुएं। ट्रायल स्पर्धा का शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी थे। विशेष अतिथि जिला रेफरी संघ प्रमुख संतोष यादव,विष्णु वर्मा मर्रा,जिला कबड्डी संघ उपा मोहित साहू,सचिव पारकर थे।

ग्राम मुड़पार के छत्तीसगढ़ क्रीड़ा मंडल अध्यक्ष पारस पटेल के निर्देशन में दुर्ग जिले के विभिन्न ब्लॉक से आए 20 टीम के 200 के लगभग जूनियर बालक बालिकाओं ने भाग लिया। स्पर्धा में चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय स्पर्धा में शामिल

प्रदेश का समर्थन मूल्य अन्य राज्यों से बेहतर- कृषक चन्द्राकर

280 क्विंटल धान बेचकर दुर्ग जिले में अव्वल किसान बने श्री राजेन्द्र चन्द्राकर

उपार्जन केन्द्र की उत्तम व्यवस्था पर किसानों ने जताया संतोष

दुर्ग (समय दर्शन)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का शुभारंभ करते हुए दुर्ग जिले के चंदखुरी ग्राम के एक अनुभवी किसान, श्री राजेन्द्र चन्द्राकर ने अपनी धान विक्रय की प्रक्रिया पूरी की और शासन की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। श्री राजेन्द्र चन्द्राकर, जो कि चंदखुरी ग्राम के निवासी हैं, ने बताया कि वे पहले ही दिन धान बेचने के लिए आए हैं और उन्होंने कुल 700 बोरी, यानी 280 क्विंटल धान का विक्रय किया। इस प्रकार श्री चन्द्राकर खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में धान विक्रय करने वाले अव्वल किसान बने। उनकी खेती लगभग 25 एकड़ में फैली हुई है। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की कि उनके और अन्य किसान भाइयों के द्वारा ही इस उपार्जन कार्य का शुभारंभ हुआ है। श्री चन्द्राकर ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा धान खरीदी के लिए दिए जा रहे समर्थन मूल्य की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि धान का जो उपार्जन मूल्य दिया जा रहा है, वह अन्य प्रदेशों की अपेक्षा काफी अच्छा है। इस बेहतर मूल्य के कारण यहाँ के किसान कृषि कार्य करने के लिए काफी उत्साहित हैं। श्री चन्द्राकर ने कहा कि वह सरकार द्वारा दिए जा रहे उपार्जन मूल्य से काफी संतुष्ट हैं। उन्होंने किसानों को आगे बढ़ाने के लिए दिए जा रहे इस मूल्य हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

किसानों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जिन्हें बारदानों की आपूर्ति और धान की स्टेकिंग के भौतिक सत्यापन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चंदखुरी उपार्जन केन्द्र के नोडल अधिकारी श्री रविश कुमार साहू, वरि. उद्यान वि. अधिकारी, इस सुचारु व्यवस्था के लिए कार्यरत हैं। किसान श्री चन्द्राकर की संतुष्टि यह दर्शाती है कि शासन द्वारा खरीदी केंद्रों में की गई सुव्यवस्थाएँ और बेहतर समर्थन मूल्य की योजनाएँ सफलतापूर्वक लागू हो रही हैं, जिससे किसान आत्मनिर्भर बनने और कृषि को उत्साह के साथ अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

जिला समन्वयक पद पर संविदा भर्ती हेतु लिखित परीक्षा 21 नवम्बर को

दुर्ग। पंचायत संचालनालय अंतर्गत पुनर्गठित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना में जिला समन्वयक आरजीएसए के संविदा रिक्त पद पर भर्ती हेतु वांछित अर्हताधारी एवं इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन दिनांक 30 मई 2025 को अपरान्ह 5 बजे तक आमंत्रित किये गये थे। प्राप्त आवेदनों की पात्र/अपात्र की सूची का प्रकाशन करते हुए 10 नवम्बर 2025 को अपरान्ह 5 बजे तक दावा आपत्ति आमंत्रित की गई थी, जिसमें 02 अभ्यर्थियों द्वारा आपत्ति किया गया था, जिसके निराकरण पश्चात् 21 नवम्बर 2025 को लिखित परीक्षा उदय प्रसाद उदय शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज दुर्ग में आयोजित की गई है।

जिला स्तरीय महिला खेल कुद प्रतियोगिता का आयोजन सेलूद में सम्पन्न

पाटन (समय दर्शन)। जिला स्तरीय महिला खेल कुद प्रतियोगिता का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग दुर्ग द्वारा ग्राम सेलूद में किया गया इस प्रतियोगिता के समापन समारोह के अतिथि माननीय जितेंद्र वर्मा जी प्रदेश मंत्री भाजपा श्रीमती रानी बंछोर मंडल अध्यक्ष पाटन मध्य श्री खेमलाल साहू जी पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री हर प्रसाद आडील जी अनुसूचित जाति मोर्चा श्री महेश्वर बंछोर जिला उपाध्यक्ष श्री राजेश राजपूत मंत्री प्रतिनिधि रामलाल दर्शन श्री अहीर लाल यादव किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती खेमीन साहू जी पूर्व सरपंच सेलूद एवं मंत्री पाटन मंडल केशव बंछोर वरिष्ठ भाजपा सदस्य घनश्याम सोनी जी पाटन भाजपा कार्यकर्ता श्री कृष्ण कुमार साहू जी महामंत्री पाटन भाजपा

रमेश देवांगन शक्ति केंद्र प्रभारी लक्ष्मण साहू भाजपा कार्यकर्ता जयप्रकाश साहू भाजपा कार्यकर्ता सहायक संचालक खेल एवं कल्याण विभाग दुर्ग पोखन लाल साहू खेल प्रभारी पाटन जयंत वर्मा बालाराम साहू ललित साहू संजय निषाद यतीश श्रीमती नीता सोनी मैडम श्रीमती उषा सारंगे डॉक्टर नरेश साहू सोनल कौशलेंद्र पटेल दुर्गेश शुक्ला रुक्मणी यादव ललित साहू टिकेस साहू 9 से 18 वर्ग में 100 मीटर दौड़ में प्रथम हिना यादव दुर्ग द्वितीय उमा धमधा 400 मीटर दौड़ में भूमि साहू दुर्ग प्रथम तवा फेंक में देविका ठाकुर प्रथम हिमांशी साहू द्वितीय दुर्ग निशा साहू पाटन तीसरा स्थान खो खो में दुर्ग प्रथम पाटन द्वितीय रस्साकसी में पाटन प्रथम धमधा द्वितीय वॉलीबॉल में दुर्ग प्रथम धमधा द्वितीय 18 से 35 वर्ग में 100 मीटर दौड़ जानवी निषाद धमधा प्रथम पायल साहू दुर्ग युक्ति साहू पाटन तीसरा स्थान 400 मीटर दौड़ उमा साहू दुर्ग प्रथम ऐश्वर्या पाटन द्वितीय नीता साहू धमधा तृतीया तवा फेक विनीता धमधा प्रथम कविता देशलहरे दुर्ग द्वितीय ऐश्वर्या पाटन तीसरा स्थान को को दुर्गप्रथम धमधा द्वितीय रस्साकसी धमधा प्रथम दुर्ग द्वितीय वॉलीबॉल दुर्ग प्रथम धमधा द्वितीय को को प्रथम दुर्ग द्वितीय धमधा मंच का संचालन पाटन खेल प्रभारी श्रीमान संतोष यादव ने क्या आभार प्रदर्शन नोडल प्रभारी पोखन साहू ने किया।

जिले में अवैध परिवहन किए जा रहे 4 हजार 266 क्विंटल धान जब्त

छ ग राज्य में सर्वाधिक कार्यवाही महासमुंद जिले में

महासमुंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारम्भ होने के पूर्व से ही जिले में अवैध परिवहन से आने वाले धान की कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पिछले एक नवंबर से 16 नवंबर तक 37 प्रकरणों में लगभग 4 हजार 266 क्विंटल धान जब्त किया गया है। इस बार जिला प्रशासन द्वारा जिले में अवैध परिवहन के जरिए अन्य राज्यों से जिले में आने वाले धान को रोकने के लिए जिले के सीमावर्ती राज्य एवं जिलों में 16 चेकपोस्ट तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था की सतत् निगरानी की जा रही है।

मार्कफेड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले एक नवंबर से 16 नवंबर के अवधि में सीमावर्ती विभिन्न जिलों से छत्तीसगढ़ राज्य में अवैध परिवहन के माध्यम से आने वाले धान में सर्वाधिक महासमुंद जिले में 4266 क्विंटल धान जब्त किया गया है। जो राज्य में सर्वाधिक है। उल्लेखनीय है कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन पर समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के पूर्व प्रदेश में अवैध धान परिवहन और संग्रहण पर सख्त निगरानी जारी रखते हुए लगातार कार्रवाईयाँ की जा रही है। जिले में 16 चेकपोस्ट के माध्यम से सतत निगरानी की जा रही है। इसके अलावा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। जिसके तहत 111 उपार्जन केन्द्रों में ग्राम पंचायत सचिवों को प्रभारी बनाया गया है। धान खरीदी में लापरवाही के चलते एस्मा एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। अभी तक 9 पटवारियों को कारण बताओं नोटिस और तीन कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज किया गया है। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कहा कि जिले में 130 समिति के 182 उपार्जन केंद्रों में खरीदी की जा रही है। किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी। आज सोमवार के लिए कुल 536 किसानों का टोकन कट गया है। जिसके तहत 32237 क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया है। धान खरीदी केंद्र में किसानों की सुविधा, पारदर्शिता और सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। प्रशासनिक अमले एवं समिति के कर्मचारियों द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर किसान को समय पर, व्यवस्थित और बिना किसी परेशानी के धान बेचने की सुविधा मिलने से किसान खुशहाल होगा।

स्वप्निल भाजपा के जिला प्रवक्ता नियुक्त, कार्यकर्ताओं में हर्ष

महासमुंद (समय दर्शन)। भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी को जिला भारतीय जनता पार्टी का प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से पूरे जिले भर के भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी व्याप्त है। खास तौर पर भाजपा के युवा नेताओं ने नियुक्ति पर खुशी जाहिर करते हुवे कहा है कि, पार्टी के जिला संगठन में युवा वर्ग की प्रभावी भूमिका नजर आयेगी। जिला भाजपा अध्यक्ष ऐतराम साहू ने अपनी टीम का ऐलान किया है जिसमे पिथौरा के तेजतर्रार भाजयुमो नेता स्वप्निल तिवारी को प्रवक्ता बनाया गया है। श्री तिवारी लंबे समय से पार्टी संगठन में सक्रिय रहे है और पार्टी द्वारा सौपे गये विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके है। श्री तिवारी पूर्व में युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष,युवा मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जैसे अन्य कई दायित्वों का निर्वहन करते रहे है , साथ ही विभिन्न सामाजिक ,धार्मिक संगठनों में सक्रिय रहते हुए वे क्षेत्र में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है ।श्री तिवारी वर्तमान में सर्व ब्राह्मण समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष व श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष भी है। अपनी नियुक्ति पर पार्टी का आभार जताते हुवे उन्होंने कहा कि , विपक्षी पार्टियां खाश तौर पर कांग्रेस प्रचार प्रसार के प्लेटफार्म पर जिस तरह से सिगूफ़े छोड़ती है उसका उसी के ढंग से मुक़ाबला करना जरूरी है। इसलिए संगठन में प्रवक्ता पद की जिम्मेदारी महत्वपूर्व है जिसका निर्वहन मेरे द्वारा पूरी तत्परता एवं संजीदगी से करने का भरसक प्रयास किया जायेगा।

श्री कृष्ण जन्म की कथा पर झूमे भक्त, गुबारा उड़ाए, मिठाई बांटी, पाटन में श्रीमद भागवत कथा जारी

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन के पास में चल रही भागवत कथा में रविवार को समुद्र मंथन, भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव की कथा का वर्णन किया गया। जिसमें श्रोता भाव विभोर होकर कथा का आनंद लेते रहे।

श्रीमद् भागवत कथा यज्ञ में कथा व्यास आचार्य कृष्ण कुमार तिवारी ने बताया कि भाद्रपद कृष्ण अष्टमी तिथि की आधी रात को मथुरा के कारागार में वासुदेव की पत्नी देवकी के गर्भ से भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लिया था । श्रीकृष्ण के जन्म की इसी शुभ घड़ी का उत्सव पूरे देश में धूमधाम से मनाया जा रहा था। द्वापर युग में श्रीकृष्ण ने बुधवार के दिन रोहिणी नक्षत्र में जन्म लिया था। अष्टमी तिथि को रात्रिकाल अवतार लेने का प्रमुख कारण उनका चंद्रवंशी होना है। श्रीकृष्ण चंद्रवंशी, चंद्रदेव उनके पूर्वज और बुध चंद्रमा के पुत्र हैं। इसी कारण चंद्रवंश में पुत्रवत जन्म लेने के लिए कृष्ण ने बुधवार का दिन चुना है। कथावाचक ने कहा रोहिणी चंद्रमा की प्रिय पत्नी और नक्षत्र हैं। इसी कारण कृष्ण रोहिणी नक्षत्र में जन्मे। अष्टमी तिथि शक्ति का प्रतीक है, कृष्ण शक्तिसंपन्न, स्वमंभू व परब्रह्म है इसीलिए वो अष्टमी को अवतरित हुए। कृष्ण के रात्रिकाल में जन्म लेने का कारण ये है कि चंद्रमा रात्रि में निकलता है और उन्होंने अपने पूर्वज की उपस्थिति में जन्म लिया। कि श्री हरि विष्णु श्रीकृष्ण ने योजनाबद्ध रूप से पृथ्वी पर मथुरापुरी में अवतार लिया। कथा का आयोजन पवन देवांगन द्वारा कराए जा रहे है।इस अवसर कर भगवत कथा श्रोता मौजूद रहें। आज कथा श्रवण करने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी पाटन पहुंचे।

छोटेलोरम में नया धान केंद्र स्थापित, डोंगरीपाली की असुविधा से किसानों को मिली राहत : विधायक डॉ संपत अग्रवाल

किसानों ने जताया सामूहिक आभार, विधायक का शॉल-श्रीफल से सम्मान

बसना (समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र के किसानों की वर्षों पुरानी मांग आखिरकार पूरी हो गई है। राज्य शासन की किसान हितैषी पहल के तहत ग्राम डोंगरीपाली (छ) स्थित धान उपार्जन केंद्र को स्थानांतरित कर ग्राम छोटेलोरम लालमाटी में नया केंद्र स्थापित कर दिया गया है। इस निर्णय से सैकड़ों किसानों को बड़ी राहत मिली है, जिन्होंने विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के प्रति आभार जताते हुए उनका

सार्वजनिक सम्मान किया।

ग्राम छोटेलोरम लालमाटी के किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल विधायक कार्यालय बसना पहुँचा, जहाँ उन्होंने विधायक डॉ. संपत अग्रवाल को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। किसानों ने कहा कि यह केंद्र उनके लिए न केवल भौगोलिक रूप से सुविधाजनक है, बल्कि इससे समय और परिवहन लागत की भी बचत होगी।

पूर्व में किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए डोंगरीपाली (छ) स्थित केंद्र तक लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे उन्हें आर्थिक और शारीरिक दोनों स्तरों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को लेकर किसानों ने कई बार शासन और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई थी। विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने इस अवसर पर राज्य शासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मेरी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि किसानों के संगठित प्रयास और राज्य सरकार की संवेदनशीलता का परिणाम है।

शासन ने किसानों की आवाज़ को गंभीरता से सुना और त्वरित निर्णय लिया। मैं इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव और कृषि विभाग का विशेष आभार प्रकट करता हूँ। उन्होंने आगे कहा कि किसान इस क्षेत्र की रीढ़ हैं। उनकी सुविधा मेरी प्राथमिकता है। छोटेलोरम में केंद्र की स्थापना से आसपास के गाँवों के किसानों को अब अपने ही क्षेत्र में उपज बेचने की सुविधा मिलेगी, जिससे उन्हें उचित मूल्य शीघ्रता से प्राप्त होगा।

किसानों ने जताई भविष्य की उम्मीदें

किसानों ने विधायक डॉ. अग्रवाल को धन्यवाद देते हुए कहा कि वे भविष्य में भी इसी तरह किसानों की समस्याओं को शासन तक पहुँचाते रहेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि क्षेत्र में कृषि से जुड़ी अन्य सुविधाओं जैसे गोदाम, परिवहन सहायता और तकनीकी प्रशिक्षण की दिशा में भी विधायक सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

नेशनल स्पोर्ट्स मीट भुवनेश्वर में महासमुंद के खिलाड़ियों का उम्दा प्रदर्शन

एकलव्य के खिलाड़ियों ने 04 स्वर्ण, 02 रजत, 05 कांस्य सहित कुल 11 पदक जीते

महासमुंद (समय दर्शन)। चौथीं नेशनल एकलव्य मॉडर्न आवासीय विद्यालय (श्वरूक्ष) स्पोर्ट्स मीट 2025 का आयोजन दिनांक 11 से 15 नवंबर 2025 तक भुवनेश्वर उड़ीसा में आयोजित किया गया, जिसमें महासमुंद जिले के एकलव्य विद्यालय के खिलाड़ियों ने तीरंदाजी, शतरंज, कबड्डी एवं एथलेटिक्स में 11 पदक जीतने में सफलता हासिल किया। जिसमें खिलाड़ियों ने 4 स्वर्ण पदक, 02 रजत पदक, 05 कांस्य पदक शामिल हैं। एकलव्य के खिलाड़ियों ने तीरंदाजी चैंपियनशिप के 14 वर्ष बालक वर्ग में नमन मांझी ने इंडियन राउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, 19 वर्ष बालक वर्ग में जयंत ठाकुर ने कंपाउंड राउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, 19 वर्ष बालिका वर्ग में लिलिमा नाग ने टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। 19 वर्ष बालक वर्ग में योगेश नाग एवं टुकेश कमार ने टीम इवेंट में रजत पदक जीता। 14 वर्ष बालक वर्ग इंडियन राउंड टीम इवेंट में नमन मांझी, दिगंबर नेताम एवं उदित नारायण भोई ने कांस्य पदक जीता। 19 वर्ष बालक वर्ग व्यक्तिगत इवेंट इंडियन राउंड में योगेश नाग ने कांस्य पदक जीता। 14 वर्ष बालिका वर्ग इंडियन राउंड टीम इवेंट में कुमुदनी दीवान, डिंपल दीवान एवं रिया दीवान ने कांस्य पदक जीतने में सफलता हासिल किया। शतरंज टीम प्रतियोगिता में कुनाल ठाकुर ने स्वर्ण एवं व्यक्तिगत प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने में सफलता हासिल किया। राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ ने कांस्य पदक जीता जिसमें जिले से कन्हैया ध्रुव एवं अक्षय विशाल शामिक रहे। एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कुंदन लाल दीवान ने कांस्य पदक जीतने में सफलता हासिल किया। पदक जीतने पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, भारतीय तीरंदाजी संघ उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका, छत्तीसगढ़ प्रदेश आर्चरी एसोसिएशन सचिव आयुष मुरारका, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद मनोज धृतलहरे, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग शिल्पा साय, महिला एवं बॉल विकास अधिकारी टीकवेंद्र जाटवर, छात्रावास अधीक्षक डॉ. पुर्नेंद्र चंद्राकर, जिला तीरंदाजी संघ बागबाहरा जिला महासमुंद अध्यक्ष डॉ. विकास अग्रवाल, सचिव एवन कुमार साहू, कोषाध्यक्ष अरविंद छाबड़, एकलव्य आवासीय विद्यालय भोरिंग समस्त शिक्षक स्टॉफ एवं खिलाड़ियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव सरकार ने किसानों की मेहनत का सम्मान किया- विजय शर्मा

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी महापर्व शुरू

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले के बोड़ला विकासखंड स्थित महराजपुर धान उपार्जन केंद्र में 15 नवंबर को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी महापर्व का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने परम्परागत रूप से तौल यंत्रों की पूजा-अर्चना कर, किसानों का तिलक करते हुए श्रीफल भेंट किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, कलेक्टर गोपाल वर्मा सहित अन्य अधिकारी और किसान उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री ने किसान के साथ मिलकर धान का तौल कराया एवं किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को जाना। ग्राम कांपा के किसान भगत कौशिक ने 36 क्विंटल धान विक्रय किया। उल्लेखनीय है कि महराजपुर उपार्जन केंद्र के अंतर्गत महराजपुर, कांपा, जीताटोला और डगनिया के कुल 769 पंजीकृत किसान हैं। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्थाओं का व्यापक एवं गहन निरीक्षण करते हुए किसानों से आत्मीय संवाद स्थापित किया। उन्होंने उपार्जन केंद्र में उपलब्ध सभी मूलभूत सुविधाओं, तौल व्यवस्था, टोकन वितरण प्रक्रिया, परिवहन प्रबंधन तथा खरीदी से जुड़ी प्रत्येक गतिविधि की विस्तार से जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस वर्ष 'मोदी की गारंटी' को पूर्ण रूप से लागू करते हुए किसानों के हित में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिनका प्रत्यक्ष लाभ राज्य के लाखों किसानों तक पहुँच रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने उपार्जन केंद्र में मौजूद किसानों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण, उनकी आय वृद्धि और कृषि क्षेत्र के सतत, समग्र और दीर्घकालिक विकास के लिए पूर्णतः समर्पित है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष भी खरीदी व्यवस्था सुचारू रहेगी तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि धान खरीदी किसानों के परिश्रम का सम्मान है। इसलिए सरकार और प्रशासन की यह जिम्मेदारी है कि हर किसान केंद्र से संतुष्ट होकर लौटे और उसे उसकी उपज का उचित मूल्य समय पर प्राप्त हो।

कृषि उत्पादन आयुक्त एवं प्रभारी सचिव का निरीक्षण

महिला स्व-सहायता समूहों की सजी उत्पादन मॉडल की सराहना

बेमेतरा (समय दर्शन)। कृषि उत्पादन आयुक्त एवं प्रभारी सचिव श्रीमती सहला निगार ने आज बेमेतरा जिले के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित नवाचारपूर्ण सब्जी उत्पादन और मल्टी-क्रॉपिंग मॉडल का विस्तृत निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में जिला कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा भी सम्मिलित रहे। निरीक्षण का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, सतत कृषि पद्धति और छोटे किसानों के लिए विकसित की जा रही कम लागतङ्कउच्च उत्पादन तकनीकों को समझना तथा इन मॉडलों को जिले में बड़े पैमाने पर प्रसारित करना रहा।

ग्राम बमनी डी, कटिया, कंटेली और लोलेसरा में समूहों की मेहनत देखी—फूलगोभी और पालक उत्पादन की सराहना

निरीक्षण की शुरुआत ग्राम बमनी डी से की गई, जहाँ महिला स्वयं सहायता समूहों ने सामूहिक रूप से विकसित सब्जी क्षेत्रों का प्रदर्शन किया। समूहों की महिलाओं ने बताया कि वर्तमान सीजन में उन्होंने फूलगोभी और पालक की खेती को प्राथमिकता दी है, क्योंकि यह फसलें कम समय में तैयार हो जाती हैं और बाजार में इनकी लगातार मांग बनी रहती है। इसके बाद दल ग्राम कटिया, कंटेली और लोलेसरा पहुँचा। इन गाँवों में भी महिलाओं की कृषि गतिविधियाँ अत्यंत व्यवस्थित दिखाई दीं। खेतों में पाले से सुरक्षा, जैविक खाद का प्रयोग, मल्चिंग और कतारदार खेती जैसी तकनीकों का उपयोग देखकर कृषि उत्पादन आयुक्त ने संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महिलाएँ आज केवल घरेलू दायित्व तक सीमित नहीं, बल्कि वैज्ञानिक पद्धति से कृषि करते हुए गाँव की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रही हैं।

श्रीमती निगार ने समूहों से संवाद करते हुए उनकी आय में हुई वृद्धि, बाजार उपलब्धता, सब्जी परिवहन और मंडी दरों की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। समूह की महिलाएँ आत्मविश्वास से भरी हुई थीं और उन्होंने बताया कि सब्जियों के उत्पादन से उनकी मासिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

निरीक्षण के अगले चरण में दल ग्राम चिखली (ब्लॉक साजा) पहुँचा, जहाँ प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत विकसित वृक्षारोपण सह सब्जी उत्पादन मॉडल को देखा गया।

यहाँ 'नारी शक्ति समूह' द्वारा विकसित की जा रही सब्जियों और पौधारोपण क्षेत्र ने अधिकारियों को प्रभावित किया। समूह द्वारा बताया गया कि माइक्रो-इरिगेशन और ड्रिप व्यवस्था ने पानी की बचत के साथ उत्पादन को कई गुना बढ़ाया है। महिलाओं ने यह भी बताया कि सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ मिलने के कारण उन्होंने कृषि में नई तकनीकें अपनाने का साहस किया, जिससे उनकी आय बढ़ी है और परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरी है। कृषि उत्पादन आयुक्त ने इस मॉडल की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि यह ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, कौशल और आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

भगवान बिरसा मुण्डा जयंती जनजाति समाज की वीरता, त्याग और संस्कृति को समर्पित- विजय शर्मा

रेंगाखार, कवर्धा एवं अन्य स्थानों पर होगी बिरसा मुण्डा की प्रतिमा स्थापित

कवर्धा (समय दर्शन)। बिरसा मुण्डा की जयंती पर पीजी कॉलेज डोम में 15 नवंबर को जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह से वर्चुअल माध्यम से जुड़कर देशभर के जनजातीय समुदाय को संबोधित किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने की। मुख्य अतिथियों ने भगवान बिरसा मुण्डा के तैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्चुअल माध्यम से अपने उद्बोधन में जनजातीय समाज के समृद्ध इतिहास, शौर्य, संस्कृति, लोक कला और राष्ट्र निर्माण में उनकी अद्वितीय एवं अभूतपूर्व भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति में जनजातीय समाज का योगदान सदैव प्रेरणास्त्रोत रहा है। भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती को भारत सरकार द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है, ताकि देश उनकी वीरता, बलिदान और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को याद रखे और जनजातीय समाज की विकास यात्रा को सशक्त दिशा मिले। इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल एवं प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने स्टॉलों में प्रदर्शित योजनाओं, उत्पादों और गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली और विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। प्रदर्शनी में जनजातीय समाज की परंपराओं, कलात्मकता, आजीविका से जुड़े उत्पादों और शासकीय योजनाओं की उपलब्धियों को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया गया।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने रेंगाखार, कवर्धा एवं विभिन्न स्थानों में भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा स्थापना की घोषणा की। इस अवसर पर जनजातीय समाज द्वारा उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रतिष्ठित व्यक्ति, नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं और महिलाओं का सम्मान किया गया। उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी। कृषकों को मसूर मिनी किट प्रदान किया गया। जनजातीय गौरव दिवस पर बढ़ी संख्या में जनजाति समाज के लोग शामिल हुए और उन्होंने अपनी सांस्कृतिक धरोहर को गर्व के साथ प्रस्तुत किया। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और उनके संघर्षों को याद किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे, सहसपुर लोहारा जनपद पंचायत के अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा सिंह, जनपद पंचायत कवर्धा के अध्यक्ष श्रीमती सुषमा गणपत बघेल, जनपद पंचायत बोड़ला के अध्यक्ष श्रीमती बालका वर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कैलाश चद्रवंशी, कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्री अजय कुमार त्रिपाठी, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग श्री एल.पी.पटेल सहित समाज के वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे।

पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने जनजातीय गौरव दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी शासन के अत्याचारों के खिलाफ आदिवासी समाज को एकजुट कर एक ऐतिहासिक आंदोलन की शुरुआत की। कठिन पर्वतीय परिस्थितियों में भी उन्होंने अदम्य साहस दिखाते हुए जंगल, जमीन और अपनी पहचान की रक्षा के लिए संघर्ष किया। अंग्रेजों की गोलियों और दमन के बीच भी वे निर्भीक होकर आगे बढ़े और समाज के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। विधायक श्रीमती बोहरा ने कहा कि बिरसा मुंडा का जीवन आदिवासी समाज ही नहीं, पूरे भारत के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनकी सोच सिर्फ संघर्ष नहीं थी, बल्कि समाज को जागृत करने और अपने अस्तित्व को सुरक्षित रखने की थी। उन्होंने कहा कि आज भी उनके विचार हमें एकजुट होकर आगे बढ़ने की दिशा दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री आदिवासी समाज सहित छत्तीसगढ़ के हर वर्ग के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। जनजातीय समाज के साथ-साथ महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास को लेकर सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।

कलेक्टर ने जनदर्शन कार्यक्रम में सुनी आमजनों की समस्याएं

प्राप्त सभी आवेदनों का समयबद्ध निराकरण करने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों और मांगों को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं को प्राथमिकता के साथ और समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 59 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में आज तहसील नवागढ़ के ग्राम तुलसी निवासी श्रीमती लीला मधुकर द्वारा राशन कार्ड से संबंधित, तहसील जांजगीर के ग्राम पेण्ड्री निवासी श्रीमती पुनीबाई द्वारा प्रधान मंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, चांपा के बजरंगी चौक मेहर पारा निवासी श्रीमती सत्यभामा देवांगन द्वारा पेंशन दिलाने, ग्राम मरकाडीह निवासी श्री अरविन्द कुमार द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि योजना संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार बेरला में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका सम्मान समारोह

उत्कृष्ट कार्य करने वाली 20 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताङ्कसहायिकाओं को किया गया सम्मानित

बेमेतरा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार 15 नवंबर 2025 को एकीकृत बाल विकास परियोजना बेरला द्वारा कृषि उपज मंडी परिसर, नगर पंचायत बेरला में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका सम्मान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं का सम्मान करना था। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि अवधेश चंदेल सम्मिलित रहे। उनके साथ जिले के जनप्रतिनिधि—जिला पंचायत सभापति श्री अंजनी कुमार चंदेल, उपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री बलराम पटेल, भाजपा प्रदेश मंत्री श्रीमती संध्या परगनिहा, नगर पंचायत बेरला के अध्यक्ष श्री विशाल देशलहरा, भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री डोमेन्द्र राजपूत, पार्षद श्रीमती शिवझड़ी सिन्हा, श्री बलराम यादव, श्री बलराम शिवारे, सुश्री उमा नेताम, पूर्व पार्षद श्री योगेन्द्र चौहान, जनपद पंचायत सदस्य श्री भुखन यादव, शिक्षक श्री कुशल साहू एवं परियोजना अधिकारी डॉ. विद्यानंद बोरकर सहित सभी पर्यवेक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताङ्कसहायिकाएँ उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत बाल केंद्रों और स्कूलों के बच्चों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुई। बच्चों ने बालगीत, लोकगीत और नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों से खूब सराहना प्राप्त की। इसके उपरांत परियोजना अधिकारी द्वारा बाल विकास विभाग की योजनाओं—कुपोषण मुक्त अभियान, बाल विवाह रोकथाम, पूरक पोषण कार्यक्रम तथा पोषण आहार के महत्व पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। समारोह के दौरान गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा छह माह के शिशुओं का अन्नप्राशन संपन्न कराया गया। पर्यवेक्षक श्रीमती कल्पना अले ने गोदभराई एवं अन्नप्राशन के उद्देश्य, महत्व तथा पोषण संबंधी आवश्यक जानकारी उपस्थित महिलाओं और नागरिकों को दी। कार्यक्रम परिसर में पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन—ठेठरी, खुरमी, अइरसा, रेडी-टू-ईट लड्डू, भाजी तथा स्थानीय सागङ्कसब्जियों का भी प्रदर्शन किया गया। इन व्यंजनों के माध्यम से लोगों को पोषण, विटामिन और खनिज तत्वों की जानकारी प्रदान की गई और संतुलित आहार के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य भाग में परियोजना स्तर पर चयनित 10 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और 10 सहायिकाओं को उनके उत्कृष्ट, नवाचारपूर्ण और समर्पित कार्य के लिए पूर्व विधायक श्री अवधेश चंदेल द्वारा सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त-खबर

एकादशी उद्यापन विधि विधान से संपन्न – आचार्य विनोद गौरहा शास्त्री

बिर्रा(समय दर्शन)। अपने जीवन में हर माह दो एकादशी व्रत विधि विधान से किए जाने की परम्परा है। और एकादशी व्रत का उद्यापन करने से व्रत के संपूर्ण फल की प्राप्ति करना हो तो आवश्यक रूप से एकादशी व्रत उद्यापन का दो दिवसीय पूजन देव आह्वान पूजा अर्चना करते हुए यज्ञ हवन पूर्णाहुति की विधि संपन्न कराये जाना बहुत जरुरी है। इस संबंध में आचार्य पं विनोद गौरहा शास्त्री पेंड्रावन (सरसीवां) ने पूर्णचंद त्रिपाठी निज निवास में एकादशी व्रत उद्यापन संपन्न कराया। उन्होंने बताया कि एकादशी व्रत के संपूर्ण फल की प्राप्ति के लिए प्रथम दिवस कलशयात्रा शोभायात्रा,वेदी स्थापना पूजन,कलश स्थापना कर अखंड दीप प्रज्वलित कर देव आह्वान किया जाता है और एकादशी व्रत की कथा सुनाई जाती है वहीं दुसरे दिन प्रातःकाल पूजन यज्ञ हवन पूर्णाहुति ब्राह्मण भोज के साथ जोड़ा में सौभाग्वती महिलाओं, ब्राह्मणों की पूजन कराया जाता है।यह आयोजन यजमान त्रिपाठी परिवार से मुख्य यजमान सौभाग्वती देवकी व भैरोंलाल त्रिपाठी परिवार निज निवास में संपन्न हुआ।इस अवसर पर सौभाग्वती सुमन पूर्णचंद त्रिपाठी, राजेश त्रिपाठी, अखिलेश त्रिपाठी, सूर्यकांत गौरहा शास्त्री जी,गिरिजानंद गौरहा,रवि गौरहा शास्त्री जी सहित दिवाकर शर्मा नम्रता शर्मा, प्रेमलता तिवारी अवनि सहित बड़ी संख्या में शुभचिंतक स्नेहीजन उपस्थित थे।

न्याय के लिए 6 साल की लड़ाईअब मानव अधिकार आयोग एस पी से करेंगे गोहार

बसना (समय दर्शन)। ग्राम टांडापारा अंकोरी के कुंजलाल राठौर ने पुराने घावों को फिर से उजागर करते हुए बसना पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। 16 जनवरी 2019 को वे 407 नंबर की बस से डोड़कीदादर (ओडिशा) धार्मिक यात्रा पर गए थे। लौटते समय साल्हेझरीया के पास ड्राइवर दुर्गा प्रसाद पाणे ने शराब के नशे में वाहन पलट दिया। बस में 32 यात्री सवार थे ङ्क महिलाएं, पुरुष और बच्चे। हादसे में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए। ड्राइवर घटनास्थल से फरार हो गया था।

पीड़ितों ने तुरंत बसना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। थाना प्रभारी ने कोर्ट में चार्जशीट पेश की, जिसमें मृतकों व घायलों के लिए मुआवजे की क्लेम की गई। लेकिन 6 लंबे साल बीत चुके, न तो कोई मुआवजा मिला और न आरोपी पर कोई सख्त कार्रवाई हुई। कोर्ट ने कई बार गिरफ्तारी वारंट जारी किए, फिर भी पुलिस का बहाना है कि वारंट उनके पास नहीं पहुंचा। टांडापारा निवासी नारायण राठौर ने बताया, हम बार-बार थाने जाकर न्याय की गुहार लगाते हैं, लेकिन आरोपी दुर्गा प्रसाद पाणे को फरार बताते हैं। कुछ दिन पहले ही उसे गांव में घूमते देखा गया! पीड़ित परिवार पुलिस के ढुलमुल रवैये से आहत हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि अब मानवाधिकार आयोग और एसपी महासमुंद को शिकायत देकर उचित कार्रवाई व न्याय सुनिश्चित कराएंगे। यह मामला पुलिस की सुस्ती पर भी सवाल उठाता है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर मुआवजा दिलाया जाए।

भाजपा पार्षद के ऑफिस से फार्म दिलवा रहे नामावली पुनरीक्षण एसआईआर कार्य में लगे लोग : कुलबीर सिंह छाबड़ा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण (एसआईआर) के चल रहे कार्यक्रम के तहत भाजपा पार्षद द्वारा अपने आफिस में फार्म दिलवाया जा रहा है बीएलओ सहायिका द्वारा पार्षद आफिस में जाकर फार्म बोला जा रहा है। जिसको लेकर शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने आपत्ति जताते हुए जिला निर्वाचन व राज्य निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की है और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी व प्रदेश कांग्रेस कमेटी को जानकारी दी है कि भाजपा पार्षद द्वारा विशेष वर्ग के लोगों को बुलाकर निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण के कार्य किया जा रहा है जो कि संदिग्ध के दायरे में आता है। जानकारी देते हुए शहर अध्यक्ष श्री छाबड़ा ने बताया कि वार्ड नं. 38 में बीएलओ सहायिका द्वारा नागरिकों से निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण (एसआईआर) के चल रहे कार्यक्रम के तहत फार्म लेने के लिए नागरिकों को वार्ड नं. 38 की भाजपा पार्षद मणी भास्कर गुप्ता के आफिस से फार्म लेने के लिए घर-घर जाकर बोला जा रहा है और नागरिकों को मणी भास्कर गुप्ता के आफिस में जाकर फार्म लेना पड़ रहा है, जबकि निर्वाचन आयोग के निर्देशन में घर-घर जाकर फार्म भरवाना है, यहां भाजपा निर्वाचन आयोग का संलिप्त प्रतीत हो रही है। जिससे मतदाता निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण पर पारदर्शिता नहीं रहेगी और विशेष वर्ग और चिन्हित लोगों के नाम भाजपा के आफिस में फार्म देने और भाजपा पार्षद के आफिस से निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्यक्रम प्रभावित हो रहा है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2021-23